page 1 and 8 Feb 20_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/20/2026 1:19 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 'गैर मुमकिन खड्ड मुद्दा छोटे किसानों के अस्तित्व का सवाल'

5 महिला प्रो गोल्फ टूर : वाणी कपूर और त्वेसा मलिक संयुक्त बढ़त पर

8 फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती

मौसम जम्मू
न्यूनतम 11
अधिकतम 23

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

# देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-45 | जम्मू तवी, शुक्रवार 20 फरवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

## लद्दाख में उत्तरी सेना के कमांडर ने सियाचिन सेक्टर में युद्ध की तैयारियों की समीक्षा की

**लेह, 19 फ़रवरी** । उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने गुरुवार को सियाचिन सेक्टर का दौरा किया और सैनिकों की युद्ध क्षमता और परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। सेना कमांडर ने दुनिया के सबसे ऊंचे और ठंडे सैन्य क्षेत्रों में से एक में तैनात सैनिकों के पेशेवर रवैये, साहस और समर्पण की सराहना की और सभी रैंकों से आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने का आग्रह किया।

उत्तरी कमान मुख्यालय ने एक पोस्ट में कहा, उत्तरी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने युद्ध क्षमता और परिचालन तैयारियों की समीक्षा के लिए सियाचिन ब्रिगेड का दौरा किया। शर्मा ने सियाचिन स्की नोड का भी दौरा किया जहां उन्होंने प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे और स्कीइंग क्षमताओं का मूल्यांकन किया और बेहद कठोर जलवायु और भूभाग में तैनात सैनिकों से बातचीत की। उनके उच्च मनोबल और दृढ़ प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने सियाचिन ग्लेशियर में परिचालन श्रेष्ठता बनाए रखने के लिए तकनीकी अनुकूलन के महत्व को दोहराया।

सेना कमांडर ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के अपने दौरे के दौरान पूर्वी लद्दाख की अग्रिम चौकियों का भी दौरा किया जहां उन्होंने सुरक्षा स्थिति और परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सैनिकों से बातचीत भी की और चुनौतीपूर्ण भूभाग में परिचालन के दौरान उनकी अटूट निष्ठा, उच्च स्तरीय युद्ध तत्परता और पेशेवर उत्कृष्टता की सराहना की।

## राजौरी में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ नाकाम की

**जम्मू, 19 फरवरी** । गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास भारतीय सेना के सतर्क जवानों ने आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया।

सेना की व्हाइट नाइट कोर ने कहा कि खुफिया सूचनाओं और निरंतर निगरानी के आधार पर गुरुवार तड़के नियंत्रण रेखा के पास सुंदरबनी सेक्टर के नाथुआ टिब्बा के सामान्य क्षेत्र में आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधि का पता चला। सैनिकों ने तेजी से जवाब देकर घुसपैठ के प्रयास को विफल कर दिया।

कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे सैनिकों ने एकीकृत जमीनी और हवाई निगरानी के माध्यम से क्षेत्र पर व्यापक प्रभुत्व सुनिश्चित करने के लिए उचित रूप से पुनर्स्थापन और पुन उन्मुखीकरण किया है।

### मोदी सरकार कश्मीरी पंडितों की सम्मानजनक वापसी के लिए प्रतिबद्ध

# जम्मू-कश्मीर जल्द होगा आतंकवाद मुक्त: एलजी

**जम्मू तवी, 19 फरवरी।** कश्मीरी पंडितों की सम्मान और सुरक्षा के साथ वापसी सुनिश्चित करने के लिए Narendra Modi के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर जल्द ही आतंकवाद के अभिशाप से पूरी तरह मुक्त होगा।

यह बात उन्होंने प्रोफेसर अशोक कौल द्वारा लिखित पुस्तक Kashmir-Nativity Regained"के विमोचन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। एलजी सिन्हा ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में सरकार और सुरक्षा बलों के सतत प्रयासों ने शांति और प्रगति को पटरी से उतारने की साजिश रचने वाली शक्तियों के नापाक मंसूबों को ध्वस्त कर दिया है पुस्तक का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह कश्मीरी पंडितों के पलायन की पीड़ा और उन काले दिनों के आतंक को उजागर करती है, साथ ही अपनी जड़ों से उखड़ जाने की स्थायी त्रासदी को भी अभिव्यक्त करती है। उन्होंने कहा कि Kashmir-Nativity Regained केवल एक साहित्यिक कृति नहीं, बल्कि दशकों से हमारी सामूहिक चेतना पर छाए मौन को तोड़ने का सराहनीय प्रयास है।

उपराज्यपाल ने कश्मीरी पंडित समुदाय की अदम्य भावना को नमन करते हुए कहा, हर विस्थापित परिवार अपने भीतर कश्मीर की एक जीवित चिंगारी लेकर चला। संघर्ष और विपरीत परिस्थितियों की भट्टी में उन्होंने दर्शन, आध्यात्म, संस्कृति, भाषा और परंपराओं को संजोकर रखा।

**युवाओं को नहीं भूलना चाहिए कि पाक-समर्थित आतंकियों ने निर्दोष कश्मीरी मुसलमानों की भी हत्या की**

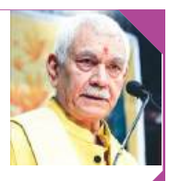

पीड़ा में भी उन्होंने संभावनाएं खोजीं और नई ऊंचाइयों को छुआ।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में कश्मीरी प्रवासी वेब पोर्टल लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य कश्मीरी पंडित समुदाय की उन संपत्तियों और जमीनों को वापस दिलाना है, जिन पर अवैध कब्जा कर लिया गया था।

एलजी सिन्हा ने कहा, दुनिया के सबसे बड़े दुखों में से एक है अपनी ही भूमि पर अजनबी बन जाना। जम्मू-कश्मीर में यही हुआ। 1989-90 में आतंकियों द्वारा कश्मीरी पंडितों के नरसंहार की पीड़ा इतनी गहरी है कि समय भी उसका मरहम नहीं बन सका। रातोंरात घर छोड़ने और जड़ों से उखड़ जाने का दर्द आज भी विस्थापित परिवारों की नसों में कांटों की तरह चुभता है।

## जलवायु परिवर्तन से निपटना अब अनिवार्य है; जलवायु परिवर्तन का अध्ययन करने के लिए विभाग की आवश्यकता है : मुख्यमंत्री उमर

**जम्मू 19 फ़रवरी** । जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कदम उठाना अब केंद्र शासित प्रदेश के लिए एक अनिवार्यता बन गया है और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक सुनियोजित और संस्थागत दृष्टिकोण की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

**जम्मू।** उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को घोषणा की कि बैसरन पहलगाम आतंकी हमले के बाद बंद हुए सभी पर्यटन स्थल इस साल मई तक फिर से खोल दिए जाएंगे।

सूत्रों के अनुसार अपने अधीन विभागों के लिए अनुदान पर चर्चा समाप्त करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद बंद हुए सभी पर्यटन स्थल मई तक फिर से खोल दिए जाएंगे।

**पहलगाम आतंकी हमले के बाद बंद हुए सभी पर्यटन स्थल मई तक खुलेंगे- मुख्यमंत्री उमर**

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आपको बताना चाहता हूं कि ये सभी स्थल मई तक फिर से खुल जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार ने इस मामले पर केंद्र सरकार से चर्चा की है।

उन्होंने जम्मू और कश्मीर में जलवायु परिवर्तन का अध्ययन करने के लिए एक विशेष विभाग के गठन का भी आह्वान किया। विधानसभा में अनुदान मांगों पर हुई चर्चा का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की चरम मौसम घटनाओं जिनमें भारी बारिश और सूखे से हुए नुकसान शामिल हैं, ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन को अब गौण मुद्दा नहीं माना जा सकता। सीपीआई (एम) विधायक एम वाई तारिगामी के बयान का जिक्र करते हुए अब्दुल्ला ने बताया कि उन्होंने इस महीने की शुरुआत में बजट सत्र शुरू होने के बाद से ही एक अलग जलवायु बजट पेश करने की बात कही थी और अनुदान पर चर्चा के दौरान इस विषय पर कटौती प्रस्ताव भी पेश किया था।

## जम्मू और कश्मीर में लगभग 13,000 शिक्षक पद रिक्त है : शिक्षा मंत्री

**जम्मू, 19 फ़रवरी।** शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने गुरुवार को बताया कि जम्मू और कश्मीर में कुल 12,977 शिक्षण पद रिक्त हैं और स्कूल शिक्षा विभाग ने 2024 के बाद से किसी भी स्कूल का उन्नयन नहीं किया है। विधानसभा में भाजपा विधायक श्री शक्ति राज परिहार के एक तारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने कहा कि जम्मू मंडल में 7,985 और कश्मीर मंडल में 4,992 शिक्षक पद रिक्त हैं। जिलावार आंकड़ों के अनुसार जम्मू मंडल में राजौरी (1,416), कठुआ (1,332), जम्मू (1,234) और पुंछ (946) में सबसे अधिक रिक्तियां हैं जबकि कश्मीर मंडल में अनंतनाग (1,016), बडगाम (797), पुलवामा (764) और कुपवारा (621) में सबसे अधिक रिक्तियां हैं। मास्टर्स की पदोन्नति संबंधी रिक्तियों के बारे में बताते हुए इटू ने कहा कि कश्मीर मंडल में 1,722 पद और जम्मू मंडल में 224 पद रिक्त हैं। इटू ने कहा कि सभी पदोन्नति संबंधी रिक्तियों को मंडल स्तरीय विभागीय पदोन्नति समितियों (डीपीसी) के माध्यम से नियमों के अनुसार भरा जा रहा है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि नवंबर 2024 के बाद से किसी भी माध्यमिक, उच्च माध्यमिक या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का उन्नयन नहीं किया गया है। इटू ने कहा, 卐स्कूलों को अगले स्तर तक उन्नत करने का कोई तत्काल प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है, विशेष रूप से डोडा जिले के पहाड़ी और दूरस्थ क्षेत्रों में। उन्होंने आगे कहा कि उन्नयन के लिए बुनियादी ढांचे के विकास और शिक्षण एवं गैर-शिक्षण पदों के सृजन की आवश्यकता है जिसमें वित्तीय व्यय शामिल है और इसके लिए वित्त विभाग की सहमति आवश्यक है। हालांकि मंत्री ने कहा कि जब भी ऐसा कोई प्रस्ताव आएगा, डोडा जिले के व्यवहार्य स्कूलों पर व्यवहार्यता रिपोर्ट, मौजूदा मानदंडों और आवश्यकताओं के अनुसार ही विचार किया जाएगा।

## जम्मू-कश्मीर की दिल्ली, अमृतसर और हरियाणा स्थित संपत्तियां अनाधिकृत नियंत्रण में हैं: सरकार

**जम्मू 19 फ़रवरी।** जम्मू और कश्मीर सरकार ने खुलासा किया है कि नई दिल्ली, अमृतसर और चंडीगढ़ में उसकी बहुमूल्य संपत्तियां उसके कब्जे में नहीं हैं बल्कि उन पर कब्जा है। इस खुलासे से सवाल उठ रहे हैं कि इतनी बड़ी वित्तीय मूल्य की संपत्ति राज्य के नियंत्रण से कैसे निकल गई।

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के विधायक सज्जाद गनी लोन के कटौती प्रस्ताव के लिखित जवाब में आतिथ्य एवं प्रोटोकॉल विभाग के प्रभारी मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की 96 कनाल भूमि वर्तमान में रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में सैन्य इंजीनियरिंग सेवा के कब्जे में है। मंत्री ने जवाब में कहा 卐जम्मू और कश्मीर सरकार के पास राजाजी मार्ग पर स्थित 114 कनाल और 11.2 मरला में फैली एक संपत्ति है जिसे 卐कश्मीर हाउस卐 के नाम से जाना जाता है। इसमें से 96 कनाल भूमि वर्तमान में रक्षा मंत्रालय के अधीन सैन्य इंजीनियरिंग विंग (प्रमुख अभियंता) के कब्जे में है और इस मुद्दे को लेकर संपदा विभाग और रक्षा मंत्रालय के साथ लगातार बातचीत की जा रही है।

मंत्री ने कहा कि 5 जून, 2023 को 1 कनाल और 11.2 मरला भूमि 05.06.2023 को सफलतापूर्वक वापस ले ली गई थी। परिणामस्वरूप वर्तमान में 18 कनाल भूमि जम्मू और कश्मीर सरकार के कब्जे में है और उस पर कर्मचारी क्वार्टर बने हुए हैं। मंत्री ने यह भी खुलासा किया कि अमृतसर के दमाईगंज में आठ कनाल और पांच मरल जमीन पर अवैध कब्जा है।

## कटरा में 31.51 करोड़ की परियोजना से मजबूत होगा आध्यात्मिक पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था

**जम्मू, 19 फ़रवरी** । श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के चेयरमैन एवं जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कटरा में माता वैष्णो देवी की पहाड़ियों से सटे क्षेत्र में प्रस्तावित शंकराचार्य मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी। यह परियोजना वर्ष 1967 में पहली बार परिकल्पित की गई थी और 2025 में भूमि मालिकों द्वारा सड़क व यात्री सुविधाओं के लिए 41 कनाल भूमि दान किए जाने के बाद इसे नई गति मिली। करीब 31.51 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस भव्य परिसर में मंदिर, पहुंच मार्ग, सार्वजनिक सुविधाएं तथा भूमि दाताओं के लिए 50 व्यावसायिक दुकानें निर्मित की जाएंगी। पूरी परियोजना का खर्च श्राइन बोर्ड वहन करेगा।

इस पहल का स्वागत करते हुए श्री कैलख ज्योतिष और वैदिक संस्थान के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि कटरा जो विश्व प्रसिद्ध श्री माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए जाना जाता है, अब शंकराचार्य मंदिर की स्थापना से और अधिक आध्यात्मिक रूप से समृद्ध होगा। महंत शास्त्री ने कहा कि यह मंदिर सनातन धर्म, वेद-वेदांत और आदि शंकराचार्य की शिक्षाओं के प्रसार का प्रमुख केंद्र बनेगा तथा क्षेत्र को एक सशक्त आध्यात्मिक परिपथ के रूप में विकसित करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय व्यापार, होटल, परिवहन व हस्तशिल्प क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में धार्मिक स्थलों के विकास और पर्यटन संवर्धन के प्रयासों की सराहना करते हुए इस जनहितकारी कार्य में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

## लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने रमजान की शुभकामनाएं दीं

**लेह, 19 फ़रवरी** । रमज़ान के पवित्र महीने के प्रारंभ पर लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने केंद्र शासित प्रदेश के समस्त निवासियोंशेषकर लेह और कारगिल के भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई दी।

अपने संदेश में उपराज्यपाल ने कहा, 卐रमज़ान के पवित्र महीने के शुभ आरंभ पर मैं लद्दाख के समस्त निवासियों, विशेषकर लेह और कारगिल के हमारे भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। यह मुबारक महीना हम सबके बीच करुणा, शांति और एकता की भावना को मजबूत करे और हर परिवार में स्वास्थ्य, सद्भाव और खुशियां लाए। रमज़ान मुबारक।

उपराज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि यह पवित्र महीना लद्दाख में आपसी सम्मान, भाईचारे और सांप्रदायिक सद्भाव की सदियों पुरानी परंपरा को और मजबूत करेगा और लोगों को पूरे क्षेत्र में सामाजिक कल्याण, सद्भाव और समावेशी विकास के लिए सामूहिक रूप से काम करने के लिए प्रेरित करेगा।

## एआई मिशन में भारत की लंबी छलांग: अगले 6 महीनों में जुड़ेंगे 24,000 नए ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट : प्रधानमंत्री

**नई दिल्ली,19 फ़रवरी** । । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान नेताओं के पूर्ण सत्र में अपने विचार व्यक्त किए। भारत में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में प्रतिभागियों का एक बार फिर स्वागत करते हुए, प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह शिखर सम्मेलन मानव-केंद्रित और संवेदनशील वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम से जुड़ा अपडेट जारी करते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि मानवता ने हमेशा व्यवधानों को अवसरों में बदला है, और आज व्यवधान को मानवता के सबसे बड़े अवसर में बदलने का एक और सुनहरा मौका है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि एआई इम्पैक्ट समिट में लीडर्स प्लेनरी में अपने संबोधन में मैंने मानव-केंद्रित और संवेदनशील वैश्विक एआई इकोसिस्टम के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। आखिरकार, मानवता ने हमेशा ही व्यवधानों को अवसरों में परिवर्तित किया है और एआई का उदय एक और ऐसा ही महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि आइए हम सब मिलकर एक ऐसा रोडमैप तैयार करें जो यह सुनिश्चित करे कि एआई सही प्रभाव डाले, और यह तभी संभव है जब हम सही समय पर, सही नीतियों के साथ, सही निर्णय लें। पीएम मोदी ने कहा, 卐मुझे विश्वास है कि यह समिट एक मानव केंद्रित, संवेदनशील वैश्विक एआई इकोसिस्टम के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा। हम इतिहास पर नजर डालें तो पता चलता है कि इंसान ने हर व्यवधान को एक नए अवसर में बदला है। आज हमारे सामने फिर ऐसा ही अवसर आया है। हमें मिलकर इस व्यवधान को मानवता के सबसे बड़े अवसर के रूप में बदल देना है। भारत बुद्ध की धरती है और भगवान बुद्ध ने कहा था, राइट एक्शन कम्स फ्रॉम राइट अंडरस्टैंडिंग इसलिए आवश्यक है कि हम साथ मिलकर ऐसा रोडमैप बनाएं, जिससे एआई का सही प्रभाव दिखे। और सही प्रभाव तभी आता है जब हम सही समय पर सही नियत से सही निर्णय लेते हैं।卐 उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के समय दुनिया ने देखा है कि जब हम एक दूसरे के साथ खड़े होते हैं तो असंभव भी संभव हो जाता है। वैक्सीन विकास से लेकर सप्लाई चेन तक, डेटा साझा करने से लेकर जीवन बचाने तक सहयोग ने ही समाधान दिया। टेक्नोलॉजी कैसे मानवता की सेवा का माध्यम बन सकती है, ये हमने भारत में कोविड काल में देखा है। हमारे डिजिटल वैक्सीनेशन प्लेटफॉर्म ने करोड़ों लोगों को समय पर वैक्सीनेशन कराने में बहुत मदद की। हमारे यूपीआई ने उन मुश्किल परिस्थितियों में सुनिश्चित किया कि लोग आसानी से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करते रहें।

## अग्निवीर ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

**जम्मू, 19 फ़रवरी।** आर्मी कैंप में एक सैनिक ने कथित तौर पर अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि यहां एक उत्तर प्रदेश का रहने वाला 24 साल का अग्निवीर नगरोटा गैरीसन में गार्ड ड्यूटी पर था, जब उसने बुधवार आधी रात के आसपास कथित तौर पर यह कदम उठाया।

सैनिक की मौके पर ही मौत हो गई और उसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया।

सैनिक के इस कदम के पीछे का कारण अभी पता नहीं चला है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

## घाटी के लिए चार नई रेल लाइनें प्रस्तावित, सर्वेक्षण जारी : सरकार

**श्रीनगर, 19 फरवरी** । जम्मू-कश्मीर सरकार ने गुरुवार को विधान सभा को सूचित किया कि उत्तर रेलवे कश्मीर घाटी में चार नई रेलवे लाइनों के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण कर रहा है। साथ ही आश्वासन दिया कि परियोजनाओं को मंजूरी मिलने के बाद भूमि मालिकों को कानून के अनुसार उचित मुआवजा दिया जाएगा। रेलवे विस्तार के संबंध में विधायक जाविद हसन बेग के विधानसभा में रखे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए परिवहन विभाग ने कहा कि प्रस्तावित नई लाइनों में बारामूला-उरी, सोपोर-कुपवाड़ा, अनंतनाग-बिजबेहरा-पहलगाम और काकापोरा-शोपियां शामिल हैं। सरकार ने कहा कि प्रस्तावित लाइनों के संरेखण को संबंधित जिला प्रशासन के परामर्श से अंतिम रूप दिया गया है। इन परियोजनाओं के लिए भूमि की आवश्यकता का आकलन किया गया है और यदि मंजूरी मिल जाती है, तो भूमि, पेड़ों और संरचनाओं के अधिग्रहण के लिए लागू कानूनों के अनुसार भूमि मालिकों को मुआवजा प्रदान किया जाएगा। उपजाऊ कृषि भूमि के डायवर्जन और प्रभावित किसानों के पुनर्वास के बारे में चिंताओं पर सरकार ने दोहराया कि परियोजना निष्पादन चरण के दौरान कानूनी प्रावधानों के अनुसार मुआवजे का भुगतान किया जाएगा। पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों के संबंध में कहा गया है कि भारत सरकार से परियोजनाओं को मंजूरी मिलने के बाद वनों की कटाई, मिट्टी के कटाव, जल संसाधन व्यवधान और पारिस्थितिक असंतुलन जैसे मुद्दों के समाधान के लिए पर्यावरण नीति और नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार सभी शमन उपाय किए जाएंगे। सरकार ने आगे कहा कि सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक शमन उपायों को लागू करने के लिए परियोजना निष्पादन के दौरान भारत सरकार और भारतीय रेलवे के साथ समन्वय बनाए रखा जाएगा। इसमें कहा गया है कि जिला प्रशासन स्थानीय चिंताओं को दूर करने और पर्यावरण और सामाजिक सुरक्षा उपायों के लिए निर्धारित मानदंडों का पालन सुनिश्चित करने के लिए निष्पादन चरण के दौरान शामिल रहेगा।

## कृषि मंत्रालय के सभी कार्यक्रमों की शुरुआत अब पौधरोपण के साथ की जाएगी: शिवराज

**नई दिल्ली, 19 फरवरी** । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को कहा कि मंत्रालय के सारे कार्यक्रम अब से पौधरोपण के साथ शुरू किए जाएंगे। कृषि विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों में पहले पेड़ लगाए जाएंगे और विद्यार्थियों से संकल्प दिलवाया जाएगा कि वे जीवनभर अपने जन्मदिन पर पौधा लगाएंगे। केवीके, एग्रीकल्चर कॉलेज और रिसर्च से जुड़े किसी भी आयोजन में पेड़ लगाना शुरुआती अनिवार्य कदम होगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज गुरुवार को एक पौधा प्रति दिन संकल्प के पांच वर्ष पूर्ण होने पर पूसा स्थित एपी शिंदे हॉल में आयोजित विशेष कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर साध्वी ऋतंभरा और पर्यावरणविद् डॉ. अनिल जोशी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट, साधना सिंह मौजूद रहे। इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अमरकंटक में 19 फरवरी 2021 के दिन नर्मदा तट पर रूद्राक्ष और साल के पौधे रोपकर नर्मदा सेवा यात्रा के समापन पर मध्य प्रदेश में 6 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए, जिसने नदी, जंगल और जलवायु संरक्षण को जनआंदोलन में बदल दिया। इसी क्रम में अंकुर अभियान शुरू किया गया, जिसमें नागरिकों को पौधा लगाकर उसकी फोटो/सेल्फी पोर्टल पर अपलोड करने और उसकी रक्षा का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान के माध्यम से लगभग 1 करोड़ पौधे लगाए गए।

उन्होंने सुझाव दिया कि एक राष्ट्रीय मंच बनाया जाए, जिसका नाम संभावना या अंकुर हो सकता है, जहां नागरिक जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, बच्चों की वर्षगांठ, किसी प्रियजन की जयंती या पुण्यतिथि पर पौधा लगाने या लगवाने के लिए पंजीकरण कर सकें। महानगरों में रहने वाले लोग तय राशि (जैसे 100-150 रुपये) देकर अपने नाम से पेड़ लगवा सकें, और बदले में उन्हें उस पेड़ की फोटो और स्थान की जानकारी भेजी जाए। उन्होंने कहा कि देश में दानदाताओं की कोई कमी नहीं, कमी केवल काम करने वाले हाथों और व्यवस्थित मंच की है।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया



आज के दौर में ज्वेलरी मेकिंग सिर्फ सुनारों का ही खानदानी काम नहीं रहा। आप भी गहने बनाने के काम में अपना भविष्य बना सकते हैं। शुरू में थोड़े इन्वेस्टमेंट के साथ आप अपना काम भी शुरू कर सकते हैं। कैसे, इस बारे में बता रहे हैं... जिस तरह ज्वेलरी अब सिर्फ सोने-चांदी का नाम नहीं है, ठीक वैसे ही यह काम अब केवल सुनारों का नहीं रह गया है। ज्वेलरी की बढ़ती डिमांड और बाजार में प्रतिस्पर्धा के चलते अब इस क्षेत्र में पढ़े-लिखे डिग्रीधारी प्रोफेशनल्स को काम करने का मौका मिलने लगा है।

# ज्वेलरी मेकिंग

## अपना करियर खुद कीजिए डिजाइन

भारत रत्न विज्ञान केंद्र के निदेशक एपी सिंह ने बताया कि 'ज्वेलरी मेकिंग में भारत दुनिया भर में सबसे आगे हो चुका है। यहां सस्ते और अच्छे कारीगर मिलने की वजह से विश्व का ध्यान भारत की ओर टिका हुआ है।' अब वह दौर भी धीरे-धीरे जा रहा है, जब लोग ज्वेलरी को आवश्यकता की चीज यानी इन्वेस्टमेंट की नजर से ज्यादा और साज-सज्जा यानी श्रृंगार की सोच से कम खरीदा करते थे। आजकल लोग इन्वेस्टमेंट के साथ इस बात पर विशेष ध्यान देने लगे हैं कि वे जिस आभूषण को खरीद रहे हैं, उसका डिजाइन कैसा है और वह पहनने पर कैसा लगेगा। डिजाइन अच्छा होगा तो उसे पहनने वाले की सुंदरता में भी चार चांद लगेंगे। लोगों की इसी सोच के चलते अब सोने-चांदी के अलावा आर्टिफिशियल और कॉस्ट्यूम ज्वेलरी की भी बाजार में काफी डिमांड है।

खैर, ज्वेलरी चाहे सोने-चांदी की हो या आर्टिफिशियल या कॉस्ट्यूम, दोनों को तैयार करने वालों को प्रशिक्षण एक ही तरह का दिया जाता है। आजकल के बदलते ट्रेंड और इस क्षेत्र में करियर के उम्दा चांस मिलने के चलते युवा इस ओर खूब रुख कर रहे हैं। इस क्षेत्र में पैसे की भी कोई कमी नहीं है।

### ज्वेलरी मेकर्स का काम

इस क्षेत्र में काम करने वालों को आभूषण बनाना, उन्हें मॉडिफाई करना, डिजाइन करना आदि के अलावा जैमोलॉजी की बेसिक जानकारी तथा कास्टिंग टेक्नोलॉजी, ज्वेलरी का इतिहास, स्टोन कटिंग एंड इनेबलिंग यानी नक्काशी, रत्नों की शुद्धता मापना, रत्नों का चुनाव, मूल्य, सेटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग एवं सोल्डरिंग, फेब्रिकेशन, रिपेयरिंग, रत्नों के अलावा टेराकोटा मोतियों और हाथी दांत व सीपियों का प्रयोग करना सिखाया जाता है।

अगर आप कला में रुचि रखते हैं। दसवीं या बारहवीं पास हैं और अपना काम करना चाहते हैं या आपको नौकरी उतनी अच्छी नहीं मिल रही है अथवा आप परीक्षाओं में अच्छे अंक नहीं ला पाए हैं तो आप ज्वेलरी मेकिंग का काम सीख कर इस क्षेत्र में बहुत अच्छा पैसा कमा सकते हैं। कैसे, आइए जानें:- ज्वेलरी मेकिंग या डिजाइनिंग के लिए कम से कम 10 फुट चौड़े और 12 फुट लंबाई वाले कमरे की जरूरत होती है। बड़ा काम करने के लिए उसी हिसाब से जगह की ज्यादा जरूरत होती है।

➲ **लागत:** इस काम को करने में कम से कम पांच लाख रुपए का खर्च आता है। आप जितना बड़ा काम करना चाहेंगे, लागत भी उतनी ही अधिक आएगी। अगर आप केवल टांका लगाने का काम करते हैं या तार खींचने का काम या लड़ी जोड़ने यानी पिरोने का काम करना चाहते हैं तो आपका काम बीस-तीस हजार रुपए में शुरू हो सकता है। जगह का खर्च आपको अलग से वहन करना पड़ेगा।

➲ **हैंड्स:** हैंड्स यानी सहयोग, मतलब आपको इस काम को करने के लिए कम से कम कितने वर्कर्स की आवश्यकता पड़ेगी तो आपको बता दें कि पांच लाख की लागत लगा कर काम शुरू करने पर आपको कम से कम 15 लोगों की आवश्यकता पड़ेगी। अगर आप काउंटर लगाकर काम शुरू करते हैं तो आपको किसी अन्य व्यक्ति की सहायता की जरूरत नहीं पड़ेगी या काम के हिसाब से आप कारीगर रख सकते हैं।

➲ **योग्यता:** ज्वेलरी मेकर बनने के लिए डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करना आवश्यक है। इसके लिए आपकी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं होनी चाहिए। कुछ प्राइवेट संस्थान दसवीं पास छात्रों को भी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। बड़े संस्थान लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश देते हैं।

➲ **कोर्स की अवधि:** ज्वेलरी मेकिंग के कोर्सेज की अवधि तीन माह से लेकर दो साल तक है। इसमें तीन से छः माह के सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं, जबकि एक से दो साल में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। आजकल कुछ संस्थान साप्ताहिक कोर्स भी कराते हैं, जिनमें टांका लगाना, ज्वेलरी साफ करना, तार खिंचाई, लड़ी जोड़ना सिखाया जाता है।

➲ **शुल्क:** ज्वेलरी मेकिंग के कोर्स का शुल्क प्रशिक्षण अवधि, कोर्स और संस्थान पर निर्भर करता है। इस काम को सिखाने वाले संस्थान 10 हजार रुपए से दो लाख रुपए तक चार्ज करते हैं। जो संस्थान सिर्फ टांका आदि लगाना सिखाते हैं, वे एक हजार से पांच हजार तक वसूलते हैं।

➲ **आमदनी:** ज्वेलरी मेकिंग का काम एक ऐसा काम है, जिसमें आपकी आमदनी अच्छी होने के साथ बढ़ती ही रहती है। इस काम में सोने-चांदी का 15 प्रतिशत हिस्सा अलॉय यानी दो-तीन धातुओं के मिश्रण में और 5 प्रतिशत हिस्सा ढलाई में मिलता है। मोटे तौर पर कहें तो कुल मिला कर अलग-अलग जगहों के हिसाब से 14, 15, 18 या 23 प्रतिशत हिस्सा बनाने वाले को मिलता है और बनवाई अलग से मिलती है। अन्य धातुओं से ज्वेलरी बनाने में केवल बनवाई मिलती है। शुद्ध आमदनी की अगर बात की जाए तो पांच लाख रुपए की लागत से शुरू किए गए काम से आप लाखों रुपए महीने तक कमा सकते हैं, जबकि आर्टिफिशियल या कॉस्ट्यूम ज्वेलरी बनाने में कुछ कम आमदनी होती है। आपका काम जितने बड़े स्तर का होगा या बढ़ेगा, उसी हिसाब से आमदनी भी बढ़ेगी।

➲ **लोन:** ज्वेलरी मेकिंग का काम शुरू करने के लिए अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो आप लोन भी ले सकते हैं। इसके लिए आपके पास दो रास्ते हैं। एक निजी स्तर पर सीधे बैंक से लोन लेने का और दूसरा सरकारी संस्थान के सर्टिफिकेट पर ग्रामीण या शहरी स्वरोजगार योजना की स्कीमों के अंतर्गत लोन लेकर काम शुरू करने का। दोनों ही तरह से आपको जरूरी दस्तावेज जमा कराने होंगे। इन दस्तावेजों में प्रोजेक्ट रिपोर्ट, जगह के कागज, बैंक या स्कीम के मुताबिक सिक्योरिटी मनी, शिक्षा के प्रमाण-पत्र, आईडी प्रूफ, पासपोर्ट साइज फोटो आदि शामिल हैं। इसके अलावा आपको दो गवाह भी चाहिए। लोन की राशि आपकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट, कार्य का आकार-प्रकार और जगह की वैल्यू पर निर्भर करेगी।

### प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख संस्थान

ज्वेलरी मेकिंग का प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख संस्थानों के नाम व पते इस प्रकार हैं-
रत्न परीक्षण प्रयोगशाला: राजस्थान चेंबर भवन, द्वितीय तल, मिर्जा इस्माइल रोड, जयपुर-302003,
रत्न भारतीय हीरा संस्थान: कैटरम गिड्स, पोस्ट बॉक्स नं-508, सुमुल डेयरी रोड, सूरत-395008, गुजरात
रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धक परिषद: डॉ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर मार्ग, मुंबई
भारत रत्न विज्ञान केंद्र: झंडेवालान, नई दिल्ली,
भारतीय रत्न विज्ञान संस्थान: नई दिल्ली
दिल्ली जैम एंड ज्वेलरी इंस्टीटयूट: नई दिल्ली

# हमेशा ऊंचाइयों पर कैसे रहें?

यदि आप चाहते हैं कि आप ऊंचाई पर हों और प्रसन्नचित्त रहें तो उसका एक ही तरीका है, हमेशा दूसरों को प्रसन्न रखें। दूसरों की सहायता करने में कोई हर्ज नहीं है, किंतु यदि आप इसे अपनी प्राथमिकताओं, वचनबद्धता व जरूरतों की कीमत पर करते हैं तो आप हमेशा अप्रसन्न महसूस करेंगे। आपको इस बात का भी अहसास होगा कि आप अपने वांछित लक्ष्यों, इच्छाओं व उद्देश्यों को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इसके साथ ही आपको सुनिश्चित समय-अंतराल के साथ, सुनिश्चित लक्ष्यों की भी जानकारी होनी चाहिए। आपकी वचनबद्धता के स्तर, उत्साह व प्रेरणा में मेल होना भी जरूरी है। बड़े लक्ष्य पाने हैं तो बड़े कदम उठाने होंगे। आपके भीतर पथ में आने वाली हर बाधा पर हावी होने, उसका सामना करने व उस पर विजय पाने का साहस होना चाहिए।

### पराजितों से दूर रहें

ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते। इन पराजितों के दल का हिस्सा न बनें, क्योंकि इनमें से कुछ को बदल पाना नामुमकिन होता है। यदि आप उनके साथ रहेंगे तो नकारात्मकता की चपेट में आते देर नहीं लगेगी।

### शांत रहें व दूसरों को भी सहज रखें

आपको न केवल स्वयं को शांत व सहज रखना है, बल्कि अपने संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को भी आरामदेह महसूस करवाना है। हमें अपने सपनों को साकार करने के लिए आने वाले दिन की राह नहीं देखनी, बल्कि इस पर आज से ही काम शुरू कर देना है। आपको बड़े-से-बड़ा बनने का सपना देखना चाहिए। सफल व असफल लोगों में सबसे बड़ा अंतर एक ही होता है, वह है उनकी दृढ़ता। हमेशा ऊंचाई पर व प्रसन्नचित्त रहने का एक तरीका यह भी है कि व्यक्ति वित्तीय रूप से स्वतंत्र हो। जीवन में कई पहलू होते हैं जैसे परिवार, व्यवसाय व सामाजिक जीवन आदि।

### प्रेरणा का स्त्रोत ऊंचा रखें

प्रेरणा का स्तर इतना ऊंचा हो कि आप हमेशा एक से दूसरे लक्ष्य तक जाने के लिए प्रेरित रहें। आपको अहसास हो कि सफलता की राह में अड़चनें भी होती हैं और आप उन बाधाओं व अड़चनों के बावजूद यात्रा को अधूरा नहीं छोड़ने वाले।

### केवल आज में ही जिएं

प्रसन्न रहने का एक तरीका यह भी है कि बीते दिन की बुरी यादों को साथ न लाएं और न ही आने वाले कल की चिंता करें। प्रायः हम जिस दुर्भाग्य की कल्पना कर लेते हैं, वह घटित नहीं होती। यदि कोई संकट या परेशानी सामने आ भी जाए तो याद रखें कि वह भी बीत जाएगी। दिमाग में किसी भी चिंता का बोझ न डालें। हम आज का भार तो सह सकते हैं, किंतु कल व आने वाले कल की परेशानी का भार नहीं सह सकते। मनुष्य का स्वभाव भी बड़ा विचित्र होता है, वह एक शेर को तो चकमा दे सकता है, लेकिन किसी मच्छर या मक्खी को नहीं उड़ा पाता। ऊंचाई पर रहने का सबसे बेहतर तरीका यही है कि आने वाले कल की उन चिंताओं पर विचार न करें, जो संभवतः कभी घटित ही न हों। मिशेल डी मोंइज ने कहा है- ''मेरा जीवन ऐसे भयानक दुर्भाग्यों से भरपूर रहा है, जिनमें से ज्यादातर ऐसे हैं, जो कभी घटित ही नहीं हुए। ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते।

**उंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें...**

# गुरु-मंत्र: कम्युनिकेशन पर दें ध्यान

**थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी... इनका प्रयोग अक्सर कम्युनिकेशन के दौरान होता है। कम्युनिकेशन अपने आप में काफी बड़ा, विस्तृत और आकर्षक विषय है। समाज में विभिन्न स्तरों पर संवाद की जरूरत और किस प्रकार का संवाद होना चाहिए, इस पर कई बातें निर्भर करती हैं।**

कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भी कम्युनिकेशन पर काफी ध्यान दिया जाता है। कम्युनिकेशन में सकारात्मकता आपको घर से लेकर आपके ऑफिस में सहायक सिद्ध होगी। घर पर अगर आप परिवार के किसी सदस्य के साथ बातचीत कर रहे हैं और उसमें कोई बात आपको अच्छी नहीं लगी तब आप तत्काल उस पर प्रतिक्रिया देते हैं और टोक देते हैं। खासतौर पर जब बात युवा साथी की हो तब उसे टोकना जरूरी भी है ताकि वह अपने कम्युनिकेशन में बदलाव लाए, पर यहां भी बात सकारात्मकता की लागू होती है। अगर आपने डांट कर अपनी बात मनाने के लिए कोई बात कही तब कुछ भी नहीं होने वाला और हो सकता है कि अगली बार आप संवाद स्थापित करने का मौका ही छोड़ दे। अगर बात कॉर्पोरेट वर्ल्ड की है तब कार्यालयों में यह देखा जाता है, अगर कोई कर्मचारी समय पर नहीं आता है तब छुट्टी से लेकर नोटिस देने जैसे कितने ही कार्य होते हैं। एक कंपनी में तो देरी से आने वाले को सभी स्टॉफ के सामने डांटने जैसी परंपरा ही थी, परंतु इससे क्या व्यवस्थाओं में परिवर्तन लाया जा सकता है क्या? या फिर कम्युनिकेशन इसमें किस तरह का हो सकता है, इस बारे में विचार किया जाए।

पॉजिटिव कम्युनिकेशन की बात की जाए तब कार्यालय में देरी से आने वाले कर्मचारी को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि चलिए आज कोई समस्या होगी बावजूद इसके आप थोड़ा ही देर से आए। आप कल और जल्दी आ सकते हैं। हो सकता है कि इससे कर्मचारी के मन पर थोड़ा असर पड़े और वह जल्दी आने के लिए प्रेरित हो, जबकि दूसरी ओर अगर आपने उसे डांटा है तब उसका नकारात्मक असर ही पड़ेगा। वह ऑफिस में जल्दी जरूरी आएगा, पर अपना आउटपुट जैसा चाहिए वैसा नहीं देगा। घर पर भी युवाओं या किशोरों से बातचीत के दौरान या सामान्य रूप से बातचीत के दौरान भी अगर आप किसी विवाद को समाप्त करना चाहते हैं तब बातचीत की शुरुआत जिन मुद्दों पर असहमति है उनसे न करके जिन बातों पर सहमति है, उससे करेंगे तब बात बनेगी जरूर। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में किसी भी उत्पाद या किसी अन्य कंपनी से डील करते वक्त इस बात का ध्यान रखा जाता है। दोनों साझा रूप से किन बातों पर सहमत हैं। एक बार हां की मुहर लग जाने के बाद अन्य बातें करने में आसानी हो जाती है। थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी का उपयोग कहां, कब और कितना करना यह भी जानना जरूरी है। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भावनाओं की कद्र थोड़ी कम ही होती है और खासतौर पर सेल्स के क्षेत्र में कंपनियों को टारगेट पूर्ण होने से मतलब होता है । इस कारण सॉरी की बात ही न कहें, बल्कि तर्क के सहारे अपनी बात रखें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

## सुरक्षित डिजिटल व्यवहार पर जागरूकता कार्यशाला, सोशल वर्क विभाग और भारतीय रिज़र्व बैंक जम्मू की संयुक्त पहल

**जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)।** जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीआरएस ऑडिटोरियम में सोशल वर्क विभाग ने भारतीय रिजर्व बैंक, जम्मू के सहयोग से सेफ डिजिटल प्रैक्टिसेज अवेयरनेस वर्कशॉप का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को सुरक्षित डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन भुगतान तथा वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के संयोजक एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार ने स्वागत संबोधन में कहा कि डिजिटल युग में इस प्रकार की जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सोशल वर्क के विद्यार्थी फील्डवर्क के दौरान समुदायों से सीधे जुड़ते हैं, ऐसे में यह प्रशिक्षण उन्हें समाज में जागरूकता फैलाने में सहायक होगा।

सत्र की अध्यक्षता मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. ए.के. नंदा ने की। उन्होंने डिजिटल धोखाधड़ी के वास्तविक उदाहरण साझा करते हुए विभाग की पहल की सराहना की।

आरबीआई जम्मू से आईं अंजलि वर्मा और नितीश महाजन ने विभिन्न प्रकार की ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, सुरक्षित लेन-देन के उपायों और बैंक द्वारा संचालित सुरक्षा पहलों की जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल ऐप्स, ऑनलाइन बैंकिंग और शिकायत निवारण तंत्र पर विस्तार से चर्चा की। सत्र के अंत में विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।

कुलपति प्रो. संजीव जैन ने अपने संदेश में इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सहयोग युवाओं को सशक्त बनाने और वित्तीय सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी अवनीत कौर और तान्या मिश्रा ने किया जबकि संस्कृति सिंह ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

## गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन जम्मू में नशा मुक्ति व एचआईवी/एड्स जागरूकता रैली

**जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)।** सरकारी शिक्षा महाविद्यालय, जम्मू के रेड रिबन क्लब ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और एन्कोर्ड समिति के सहयोग से नशा मुक्ति एवं एचआईवी/एड्स जागरूकता रैली का आयोजन किया। रैली का उद्देश्य विद्यार्थियों और स्थानीय समुदाय को नशे की बढ़ती समस्या तथा एचआईवी/एड्स की रोकथाम के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. रमज़ान अली (संयोजक, एनकॉरड समिति), प्रो. रूपा कुमारी (संयोजक, रेड रिबन क्लब) तथा डॉ. शुभ्रा जमवाल (एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी) के मार्गदर्शन में किया गया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने बैनर और तख्तियां लेकर जागरूकता, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़े संदेशों का प्रसार किया। रैली कॉलेज परिसर के आसपास के प्रमुख क्षेत्रों से गुज़री और नशे के विरुद्ध सशक्त संदेश दिया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. ज्योति परिहार ने आयोजन समिति और छात्रों के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से नकारात्मक प्रभावों से दूर रहने, सकारात्मक मूल्यों को अपनाने और समाज में जागरूकता के दूत बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रो. सुनंदा रानी, डॉ. राजिंदर कौर, डॉ. दविंदर कौर, प्रो. शालू जसरोतिया और डॉ. सुषमा बाला सहित अन्य प्राध्यापकों ने भी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और सामाजिक जागरूकता अभियानों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

## 'आदि शंकराचार्य संसार' राष्ट्रीय कला कार्यशाला का शुभारंभ, आध्यात्मिक विरासत और अद्वैत दर्शन पर केंद्रित सात दिवसीय आयोजन

**जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)।** श्रीनगर के जिला पुलिस लाइन बडगाम स्थित 43 बटालियन मुख्यालय सीआरपीएफ में सात दिवसीय राष्ट्रीय कला कार्यशाला 'आदि शंकराचार्य संसार' का शुभारंभ हुआ।

यह कार्यशाला मास्टर संसार चंद बारू मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) के सहयोग से आयोजित की जा रही है।

19 से 25 फरवरी तक चलने वाली इस कार्यशाला में देशभर से सात प्रतिष्ठित कलाकारों और युवा कला विद्यार्थियों ने भाग लिया है। कार्यशाला का विषय 8वीं शताब्दी के दार्शनिक और अद्वैत वेदांत के प्रवर्तक आदि शंकराचार्य की आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक विरासत पर आधारित है।

मान्यता है कि कश्मीर प्रवास के दौरान आदि शंकराचार्य ने जिस पहाड़ी पर साधना की, वही स्थान आज शंकराचार्य मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है जिसे प्राचीन काल में गोपाद्री पर्वत कहा जाता था। डल झील और श्रीनगर शहर को निहारता यह प्राचीन मंदिर कश्मीर की समृद्ध दार्शनिक परंपरा का प्रतीक है।

कार्यशाला में श्रीनगर के मोहम्मद इरफान भट्ट, मोहम्मद सुहैल खान, उमैद नियाज़ रेशी, सैयद मुर्सलीन और सुहैब अहमद हकीम के साथ दिल्ली की शर्मिला शर्मा और कोलकाता के अपूर्बा कराती भाग ले रहे हैं। प्रतिभागी कलाकार शंकराचार्य मंदिर, कश्मीर की आध्यात्मिक छटा और अद्वैत दर्शन से प्रेरित लाइव पेंटिंग्स तैयार कर रहे हैं।

एमएससीबीएमसी ट्रस्ट की अध्यक्ष अनुराधा ऋषि ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि कला सकारात्मकता और एकता का सशक्त माध्यम है। उन्होंने सरकार से ऐसे आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहन देने की अपील की। कार्यशाला के समापन पर श्रीनगर में आदि शंकराचार्य की विरासत को समर्पित कलाकृतियों की प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी।

## जम्मू के कृषि निदेशक ने एसएम फार्म चिनोर में विकासात्मक गतिविधियों का निरीक्षण किया

**जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)।** जम्मू के कृषि निदेशक अनिल गुप्ता ने आज चिनोर स्थित सीड मल्टीप्लिकेशन फार्म का दौरा किया और फार्म में चल रही परियोजनाओं की भौतिक प्रगति की समीक्षा की। शुरुआत में निदेशक ने एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और एसएम फार्म चिनोर में चल रही विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत किए गए व्यय और भौतिक प्रगति का जायजा लिया। फार्म मैनेजर वीरेंद्र डोगरा ने चल रहे कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया और निदेशक को फार्म में चल रही अवसंरचना विकास पहलों के बारे में जानकारी दी। फार्म मैनेजर और कर्मचारियों से बातचीत करते हुए निदेशक ने इस बात पर जोर दिया कि विभागीय फार्मों में बीज उत्पादन बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए ताकि स्थानीय कृषि-जलवायु परिस्थितियों में उत्पादित और निर्धारित गुणवत्ता मानकों को पूरा करने वाले उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। निदेशक अनिल गुप्ता ने कृषि नवाचार को बढ़ावा देने में एसएम फार्म चिनोर के फार्म मैनेजर और पूरी टीम के समर्पित प्रयासों की सराहना की।

## पूर्णिमा शर्मा ने एनएलयू प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की

**जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जम्मू ने राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) मुद्दे पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की है। जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रवक्ता और पूर्व उप महापौर, एडवोकेट पूर्णिमा शर्मा और प्रवक्ता रजनी सेठी, मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा के साथ पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर जम्मू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रही थीं। एडवोकेट पूर्णिमा शर्मा ने इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि जम्मू के साथ भेदभाव के बारे में आवाज उठाने वाले छात्रों के खिलाफ बल का प्रयोग एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में अस्वीकार्य है। एडवोकेट पूर्णिमा शर्मा ने कहा कि छात्र अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन कर रहे थे और उमर के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा कथित तौर पर जम्मू क्षेत्र के साथ भेदभाव किए जाने की आशंका व्यक्त कर रहे थे। यदि युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं और वास्तविक मुद्दे उठा रहे हैं तो सरकार का दायित्व है कि वह उनकी बात सुने न कि लाठियों से उन्हें चुप कराए। इस लाठीचार्ज को जम्मू के खिलाफ एक और अन्याय के रूप में देखा जा रहा है, उन्होंने कहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्र राष्ट्र का भविष्य हैं और उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगें रखने का पूरा लोकतांत्रिक अधिकार है। लोकतंत्र में असहमति को दबाना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि बड़ी संख्या में छात्राओं की मौजूदगी के बावजूद घटनास्थल पर पर्याप्त महिला पुलिसकर्मियों को क्यों तैनात नहीं किया गया।

## एएमआरयूटी 2.0 के तहत जम्मू में 13 ट्यूबवेल परियोजना अंतिम चरण में

**जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)।** जम्मू शहर में पेयजल आपूर्ति को मजबूत और टिकाऊ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जेएमसी के जल शक्ति विंग द्वारा एएमआरयूटी 2.0 के तहत जल आपूर्ति योजना के विस्तार पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। यह कार्य केंद्र प्रायोजित योजना एएमआरयूटी 2.0 के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य शहरी जल ढांचे का आधुनिकीकरण, सेवा वितरण में सुधार और सुरक्षित पेयजल की सार्वभौमिक उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इस परियोजना के तहत जम्मू शहर के विभिन्न रणनीतिक स्थानों पर 13 ट्यूबवेल स्थापित करने का प्रस्ताव है। जल आपूर्ति में कमी, जनसंख्या घनत्व और गर्मियों में पानी की अधिक मांग को ध्यान में रखते हुए इन स्थानों का चयन किया गया है। अब तक 10 ट्यूबवेल सफलतापूर्वक ड्रिल किए जा चुके हैं जबकि शेष तीन ट्यूबवेल का कार्य अंतिम चरण में है और जल्द पूरा होने की उम्मीद है। परियोजना पूरी होने के बाद शहर के कई इलाकों में पेयजल उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे पुराने जल स्रोतों पर दबाव कम होगा, आपूर्ति में व्यवधान घटेगा और घर-घर तक पानी की समान और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए जेएमसी आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने बताया कि महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास, शक्ति नगर, शिव मंदिर, लोअर मुठी (रन), विश्व भारती स्कूल के समीप, शांति नगर, म्यूनिसिपल पार्क, बंधु राख-1, बंधु राख-2, तवी विहार, सिधरा, सैनिक कॉलोनी सेक्टर-बी, रेलवे लाइन के पास सैनिक कॉलोनी और ग्रेटर कैलाश सहित कई क्षेत्रों में ट्यूबवेल का कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

## गैर मुमकिन खड्ड मुद्दा छोटे किसानों के अस्तित्व का सवाल : राजीव जसरोटिया

**कठुआ, 19 फरवरी (हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मुख्यमंत्री के अनुदानों पर चर्चा के दौरान जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया ने गैर मुमकिन खड्ड भूमि विवाद को छोटे और सीमांत किसानों के अस्तित्व से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2010 के बॉर्डर एक्ट के बाद जम्मू, कठुआ और सांबा जिलों में हजारों परिवार भूमि की स्थिति को लेकर अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं।

जसरोटिया ने बताया कि लगभग 2.46 लाख कनाल भूमि की पहचान की गई थी, लेकिन 2017 से अब तक केवल 14,520 कनाल भूमि का ही सीमांकन हो पाया है, जिसमें अधिकांश को सरकारी भूमि घोषित किया गया है। इससे 2 से 6 कनाल भूमि वाले छोटे किसानों के सामने आजीविका और खेती को लेकर संकट पैदा हो गया है। उन्होंने सरकार से शेष भूमि का जल्द और पारदर्शी सीमांकन करने तथा वास्तविक भूमि मालिकों के हितों की रक्षा के लिए स्पष्ट नीति बनाने की मांग की।

उन्होंने दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, एसपीओ, एनएचएम कर्मियों और अन्य अस्थायी कर्मचारियों की समस्याओं को भी उठाया और उनके नियमितीकरण, वेतन वृद्धि तथा कल्याण के लिए ठोस और समयबद्ध रोडमैप बनाने पर जोर दिया। जसरोटिया ने जम्मू-कश्मीर में संतुलित क्षेत्रीय विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए जम्मू संभाग में पर्यटन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, लंबित रेल परियोजनाओं को पुनर्जीवित करने और विकास निधियों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करने की मांग की। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने कहा कि गैर मुमकिन खड्ड भूमि विवाद का समाधान, कर्मचारियों के हितों की रक्षा और संतुलित विकास सुनिश्चित करना जम्मू-कश्मीर की स्थायी प्रगति और क्षेत्रीय विश्वास बहाली के लिए अत्यंत आवश्यक है।

## राजौरी में निर्मित 250 मीटर लंबा बथुनी पुल अब पूर्ण रूप से हो चुका तैयार

**राजौरी, 19 फ़रवरी (हि.स.)।** राजौरी जिले में निर्मित 250 मीटर लंबा बथुनी पुल अब पूर्ण रूप से तैयार हो चुका है और शीघ्र ही इसे आम यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। यह पुल राजौरी-पुंछ मार्ग पर कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पुल का निर्माण बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) द्वारा किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार पुल के चालू होने से क्षेत्र में यात्रा समय लगभग 20 मिनट तक कम हो जाएगा जिससे स्थानीय निवासियों और यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

वर्तमान में पुल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और बड़ी संख्या में युवा यहां पहुंचकर तस्वीरें ले रहे हैं।

## जीडीसी कठुआ के विद्यार्थियों ने सहार गांव में पारंपरिक पर्यावरणीय ज्ञान का किया अध्ययन

**कठुआ, 19 फरवरी (हि.स.)।** राजकीय डिग्री कॉलेज कठुआ के पर्यावरण विज्ञान विभाग एवं रावी ईको क्लब द्वारा सहार के फफाल गांव में विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षणिक अध्ययन भ्रमण का आयोजन किया गया।

इस अध्ययन भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्थानीय समुदायों द्वारा संरक्षित पारंपरिक पर्यावरणीय ज्ञान एवं संरक्षण पद्धतियों से परिचित कराना था।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने गांव के लोगों से सीधे संवाद कर उनके सतत जीवनशैली, औषधीय पौधों के उपयोग, पारंपरिक खेती, बीज संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा पारंपरिक उपचार प्रणालियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। समुदाय के सदस्यों ने विभिन्न पौधों और जीवों के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर भी प्रकाश डाला।

यह कार्यक्रम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोहर लाल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया तथा पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार के समन्वय में संपन्न हुआ। इस दौरान विभाग की प्राध्यापक डॉ. अनुराधा भी विद्यार्थियों के साथ मौजूद रहीं। स्थानीय सहयोग सहार के पूर्व सरपंच राज कुमार द्वारा प्रदान किया गया। यह अध्ययन भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा जिससे उन्हें पारंपरिक पर्यावरणीय ज्ञान के संरक्षण और सतत विकास के महत्व को समझने का अवसर मिला।

## खुले में मांस बिक्री पर पूर्ण रोक की मांग

**जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)।** मंदिरों का शहर कहे जाने वाले जम्मू की पवित्रता और मासूमियत आज खतरे में है। यह तीखा प्रहार शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख मनीष साहनी ने आज जम्मू प्रेस क्लब के बाहर आयोजित एक जोरदार प्रदर्शन के दौरान किया मनीष साहनी के नेतृत्व में एकत्रित दर्जनों शिव सैनिकों ने बिशनाह की मासूम बच्ची के लिए न्याय और शहर की धार्मिक मर्यादा को लेकर हुंकार भरी।


**उत्तर रेलवे**

**ई-नीलामी सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/मालभाड़ा., उत्तर रेलवे, फिरोजपुर द्वारा नीचे दिये गए कार्य के लिये योग्य और पंजीकृत बोलीदाताओं से फिरोजपुर मण्डल में ई-नीलामी आमंत्रण किया जाता है:

| नीलामी सूची सं. | नीलामी शुरू होने का समय और तारीख | कार्य का नाम |
|---|---|---|
| EAFZR-SLR26-12 | 05.03.26 को 11:00 Hrs. | गाड़ियों में पार्सल स्पेस को लीस पर देने का ठेका (ट्रेन नंबर/एसएलआर कम्पार्टमन्ट): 14620/F1, 15532/F1, 22446/F1, 22552/F1, 13308/F1, 20424/F1, 14682/F1, 14622/F1 & 19326/F1. |
| EAFZR-SLR26-13 | 09.03.26 को 11:00 Hrs. | गाड़ियों में पार्सल स्पेस को लीस पर देने का ठेका (ट्रेन नंबर/एसएलआर कम्पार्टमन्ट): 14650/R1, 15212/R1, 15212/R1, 15532/R1, 14604/R & 19612/F1. |

विस्तृत जानकारी और पंजीकरण के लिए, कृपया रेलवे की वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर जाएं।

**ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ** 568/26



**उत्तर रेलवे**

**किराए के आधार पर कन्वेयर बेल्ट के प्रावधान के लिए सूचना (ईओआई)**

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्यिक प्रबंधक/एफएस, उत्तर रेलवे, फिरोज़पुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से अस्थायी और प्रायोगिक आधार पर, मुक्तसर गुड्स शेड में लोडिंग/अनलोडिंग के लिए 01 दिन के लिए किराए पर कन्वेयर बेल्ट प्रदान करने के लिए ईओआई (रुचि की अभिव्यक्ति) आमंत्रित करते हैं। इच्छुक पार्टियां अपनी रुचि प्रस्तुत कर सकती हैं। प्रस्तुत की गई अभिव्यक्ति की जांच की जाएगी और यदि व्यवहार्य पाया जाता है तो आवेदक द्वारा प्रस्तावित दरों की व्यवहार्यता प्रदान की जाएगी।

अधिक जानकारी और अन्य जानकारी के लिए कृपया उत्तर रेलवे की वेबसाइट: **www.nr.indianrailways.gov.in** देखें या 9779233950 से संपर्क करें।

**ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि: 25.02.2026 को 15:00 बजे तक।**

संख्या: एमसी/35000/कन्वेयर बेल्ट/2026 दिनांक: 18.02.2026

**ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ** 569/26



**उत्तर रेलवे**

**टेंडर नोटिस नंबर 6-WDYCECDJAT-25-26 तारीख 18.02.2026 का पहला सुधार**

टेंडर नोटिस नंबर 6-WDYCECDJAT-25-26 तारीख 18.02.2026 का पहला सुधार "उधमपुर में स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स के लिए नई रेलवे बटालियन और कंस्ट्रक्शन के संबंध में बैलेंस सिविल मिसलेनियस वर्क्स" के काम के लिए, जो 17.03.2026 को 11:30 बजे तक खुलने वाला था और अब नई टेंडर शर्तों के अनुसार 17.03.2026 को 15:00 बजे के तुरंत बाद खुलेगा, नीचे दी गई जानकारी:-

| विवरण | निविदा सूचना दिनांक 18.02.2026 के अनुसार विवरण | प्रथम शुद्धिपत्र दिनांक 19.02.2026 के अनुसार विवरण |
|---|---|---|
| टेंडर की उपलब्धता की तारीख और समय | 03.03.2026 से 17.03.2026 तक 11:30 बजे तक IREPS वेबसाइट पर | 03.03.2026 से 17.03.2026 तक 15:00 बजे तक IREPS वेबसाइट पर |
| निविदा जमा करने/खोलने की तिथि और समय | 17.03.2026 को 11:30 बजे तक और 11:30 बजे के तुरंत बाद खोला जाएगा | 17.03.2026 को 15:00 बजे तक और 15:00 बजे के तुरंत बाद खोला जाएगा |

**सं. 6-DY.CE/C/D/JAT/2025-26 दिनांक: 19.02.2026 577/2026**

**ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ**



**उत्तर रेलवे**

**ई-निविदा सूचना**

**निविदा संख्या:- 234-2025-26-ADEN-I-ASR** दिनांक : 18.02.2026

वरिष्ठ मंडल अभियन्ता-तृतीय/फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई-निविदाएं, अंतिम तिथि **12.03.2026 समय 15:00 बजे** तक **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते है। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, व केडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकस चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

| निविदा प्रकार | निविदा अनुभाग | बोली प्रणाली |
|---|---|---|
| खुला | कार्य | एकल बोली प्रणाली |
| निविदा अपलोड करने की तिथि | बोली शुरू की तिथि | बोली समापन की तिथि तथा समय |
| 17.02.2026 | 26.02.2026 | 12.03.2026 15:00 बजे |

| क्र. | निविदा संख्या | निविदा का विवरण | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 234-2025-26-ADEN-I-ASR | सहायक मंडल अभियंता-प्रथम/अमृतसर के अधीन वेरका-डेरा बाबा नानक खंड पर मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग संख्या ए-5 पर 5.0 मीटर x 5.0 मीटर के आंतरिक आकार वाले सीमित ऊंचाई के सबवे का निर्माण धक्का विधि द्वारा किया जाना है। | | | |
| | | विज्ञापन मूल्य (रु.) | ब्याना राशि | ऑफर की वैधता | समापन की अवधि |
| | | 6,35,51,860.76 | 4,67,800.00 | 60 दिन | 12 महीने |
| | | सामान प्रकृति का कार्य: "बॉक्स पुशिंग/पाइप पुशिंग विधि द्वारा पुल/सीमित ऊंचाई वाली सबवे का निर्माण" | | | |

**नोट : 1.** निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जॉच करेंगे।
2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होगे।

**ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ** 550/26


## एसएमवीडीयू के छात्रों ने एआई समिट 2026 में किया प्रतिभाग

**जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)।** कटड़ा स्थित श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के 34 छात्रों के दल ने 16 से 20 फरवरी तक नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित एआई शिखर सम्मेलन 2026 में भाग लिया।

यह शैक्षणिक एवं एक्सपोज़र विज़िट विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी विकास और वास्तविक अनुप्रयोगों से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

छात्रों के दल के साथ स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (एसओसीएसई) के सहायक प्रोफेसर सुदेश एवं अभिग्या महाजन तथा स्टाफ सदस्य मधु उपस्थित रहीं जिन्होंने पूरे सम्मेलन के दौरान छात्रों का मार्गदर्शन किया।

दल को कुलपति प्रो. प्रगति कुमार ने औपचारिक रूप से रवाना किया। उन्होंने छात्रों को उद्योग जगत से जुड़ने, ज्ञान अर्जित करने और नेटवर्किंग के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

इस शैक्षणिक भ्रमण का समन्वय एसओसीएसई की विभागाध्यक्ष डॉ. सुनंदा के मार्गदर्शन में किया गया जबकि जनसंपर्क अधिकारी जोगिंदर पाल शर्मा ने व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डीन अकादमिक प्रो. बलबीर सिंह और मनोज वर्मा ने भी छात्रों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

समिट में एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, जेनरेटिव एआई और रोबोटिक्स जैसे विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान, तकनीकी सत्र और स्टार्टअप प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। एसएमवीडीयू के छात्रों की भागीदारी विश्वविद्यालय की तकनीकी उत्कृष्टता और उद्योग से जुड़ाव की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

## पुलिस ने 17 लाख के 86 मोबाइल फोन मालिकों को लौटाए

**कठुआ, 19 फरवरी (हि.स.)।** कठुआ पुलिस ने नागरिक-हितैषी पहल के तहत कठुआ में बरामद किए गए 86 मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को वापस सौंपे। इन मोबाइल फोन की कुल कीमत करीब 17 लाख बताई गई है।

इस अवसर पर एसएसपी मोहिता शर्मा ने कहा कि कठुआ पुलिस चोरी या गुम हुए सामान की बरामदगी और उसे शीघ्र मालिकों तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि मोबाइल या अन्य कीमती सामान खोने या चोरी होने की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

जिला पुलिस टीम ने तकनीकी जांच और लगातार प्रयासों के माध्यम से इन मोबाइल फोन को ट्रेस कर बरामद किया। मोबाइल वापस मिलने पर लाभार्थियों ने पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए इस पहल की सराहना की। कठुआ पुलिस ने आम जनता से सतर्क रहने और किसी भी चोरी या गुमशुदगी की घटना की तुरंत नजदीकी पुलिस थाने में सूचना देने की अपील दोहराई।

# संपादकीय

## दिव्यांग समुदाय आज भी अपनी लंबित मांगों के कारण लगातार संकट से जूझ रहा

यह अत्यंत चिंताजनक है कि समय-समय पर जम्मू-कश्मीर में शासन करने वाली सरकारों के बड़े-बड़े दावों के बावजूद, केंद्र शासित प्रदेश में शारीरिक रूप से दिव्यांग समुदाय आज भी अपनी लंबित मांगों के कारण लगातार संकट से जूझ रहा है, जिससे इन लोगों का जीवन और अधिक कठिन व चुनौतीपूर्ण बन गया है।

इसी संदर्भ में, जम्मू-कश्मीर हैंडीकैप्ड एसोसिएशन के बैनर तले दिव्यांग व्यक्तियों के समुदाय ने सामाजिक सुरक्षा, वित्तीय सहायता और कानूनी संरक्षण से जुड़ी अपनी लंबे समय से लंबित मांगों की पूर्ति के लिए प्रदर्शन किया है।

मौजूदा सरकार को इन मांगों पर अत्यंत गंभीरता से विचार करना चाहिए और प्राथमिकता के आधार पर ऐसे कदम उठाने चाहिए ताकि समाज के इस वर्ग की जायज मांगों को बिना किसी देरी या भेदभाव के पूरा किया जा सके।

इस समुदाय की सबसे प्रमुख मांग पेंशन में वृद्धि की है, जो पूरी तरह से जायज है, क्योंकि रिपोर्ट के अनुसार उन्हें मात्र 1250 रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलती है। यह राशि इतनी नगण्य है कि इससे एक व्यक्ति अपने एक महीने के ईंधन और बिजली के खर्च तक नहीं उठा सकता, जबकि दवाइयों, राशन, परिवहन, सब्जियों, फलों और अन्य दैनिक आवश्यकताओं का खर्च तो अलग ही है।

निस्संदेह, इस मुद्दे को बिना किसी और देरी के सरकार द्वारा उठाया जाना चाहिए ताकि समाज के इस कमजोर वर्ग को न्याय मिल सके और वे सम्मान व गरिमा के साथ जीवन जी सकें। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस समुदाय को लंबे समय से मुफ्त बिजली और पानी जैसी सुविधाओं से भी वंचित रखा गया है। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार को इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने चाहिए ताकि इन लोगों को ये बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें, क्योंकि यह महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा देने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

कुल मिलाकर, सरकार को इन मांगों को एक विशेष मामले के रूप में लेते हुए बिना किसी बहाने या टालमटोल के पूरा करना चाहिए, क्योंकि ये पूरी तरह न्यायसंगत और वैध हैं। इसके अतिरिक्त, जम्मू-कश्मीर सरकार को पश्चिमी देशों से सीख लेते हुए ऐसा सार्वजनिक बुनियादी ढांचा विकसित करना चाहिए, जिसमें विशेष प्रावधान हों, ताकि दिव्यांग व्यक्ति बिना किसी सहायता के स्वतंत्र जीवन जी सकें।

फुटपाथों का निर्माण इस प्रकार होना चाहिए कि स्वचालित व्हीलचेयर पर चलने वाले लोग बिना किसी बाधा के उन पर चल सकें। शॉपिंग मॉल और छोटी दुकानों को भी इस पहलू पर ध्यान देना चाहिए ताकि वे व्हीलचेयर उपयोग करने वाले लोगों का स्वागत कर सकें। सभी सार्वजनिक शौचालय परिसरों और रेस्तरां व अन्य सार्वजनिक स्थानों के शौचालयों में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अलग से सुविधाजनक व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे वे स्वतंत्र और तनावमुक्त रह सकें।

लो-फ्लोर बसों की अवधारणा भी जम्मू-कश्मीर में सही ढंग से लागू नहीं की जा रही है, जो इस समुदाय के प्रति सरकार के उदासीन रवैये को दर्शाती है। इन सभी मुद्दों और इससे जुड़े अन्य पहलुओं पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है, ताकि जम्मू-कश्मीर को दिव्यांग समुदाय के लिए एक बेहतर और समावेशी स्थान बनाया जा सके, क्योंकि यह शासन चलाने वालों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

# रोबोडॉग प्रकरण: प्रमाणन की होड़ में दम तोड़ती अकादमिक गुणवत्ता

**स्वाभाविक रूप से इससे छात्रों और अभिभावकों में निराशा पैदा होती है। वर्षों की पढ़ाई और भारी आर्थिक निवेश के बावजूद जब रोजगार नहीं मिलता तो सवाल उठते हैं। माता-पिता यह पूछने में बिल्कुल सही होते हैं कि पढ़ाई के बाद भी बच्चा बेरोज़गार क्यों है। अक्सर इस असंतोष का निशाना सरकार बनती है, जिस पर रोजगार सृजन न कर पाने का आरोप लगाया जाता है। हालाँकि रोजगार सृजन एक नीतिगत चुनौती है लेकिन यह विमर्श एक असहज सच्चाई को नज़रअंदाज़ कर देता है कि बड़ी संख्या में स्नातक वास्तव में रोजगार योग्य ही नहीं हैं।**

**यहीं से मूल प्रश्न जन्म लेता है। यदि छात्रों में आवश्यक ज्ञान और कौशल नहीं है तो उन्हें योग्य घोषित करने वाली डिग्रियाँ उन्हें कैसे मिल गईं? ऐसी संस्थाओं को बिना अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित किए प्रमाणपत्र बाँटने की अनुमति किसने दी? इसका उत्तर हमें उच्च शिक्षा के नियामक ढाँचे में मिलता है।**

**-डॉ. प्रियंका सौरभ**

गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा हालिया विवाद सोशल मीडिया और मुख्यधारा मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना। सतह पर यह मामला उपयुक्तता, प्राथमिकताओं या कैंपस संस्कृति से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन वास्तविकता में यह भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है। समस्या रोबोडॉग नहीं है। समस्या यह है कि हमारे विश्वविद्यालय धीरे-धीरे क्या बनते चले गए हैं।

पिछले दो दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों, स्ववित्तपोषित कॉलेजों और डिग्री संस्थानों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। इस विस्तार को अक्सर शिक्षा तक पहुँच बढ़ने और जनसांख्यिकीय लाभ के रूप में प्रस्तुत किया गया। लेकिन जब यह विस्तार समानांतर नियमन, अकादमिक कठोरता और जवाबदेही के बिना हुआ तो इसकी क़ीमत गुणवत्ता को चुकानी पड़ी। परिणाम यह हुआ कि मात्रा बढ़ी पर गुणवत्ता लगातार गिरती चली गई।

आज देश के अधिकांश-हालाँकि सभी नहीं—निजी विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज शिक्षा के केंद्र कम और डिग्री वितरण केंद्र अधिक बन गए हैं। शिक्षा एक बौद्धिक प्रक्रिया नहीं बल्कि लेन-देन बनती जा रही है- पैसे के बदले डिग्री। उपस्थिति, अकादमिक भागीदारी, प्रयोगशाला कार्य और बौद्धिक अनुशासन जैसी बातें अब अनिवार्य नहीं रहीं, बल्कि समझौते के दायरे में आ गई हैं। जो कभी उच्च शिक्षा में गैर-समझौतावादी हुआ करता था, वह अब लचीला, कमजोर और विकृत हो चुका है।

यह गिरावट विशेष रूप से उन विषयों में चिंताजनक है जहाँ कठोरता अनिवार्य है। सैद्धांतिक पढ़ाई का कमजोर होना एक बात है, लेकिन विज्ञान शिक्षा का खोखला हो जाना कहीं अधिक गंभीर है। आज स्थिति यह है कि छात्र बिना नियमित कक्षाओं में गए और बिना प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण लिए विज्ञान जैसे विषयों में स्नातक और परास्नातक डिग्रियाँ प्राप्त कर रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्य- जो कभी वैज्ञानिक प्रशिक्षण की रीढ़ हुआ करता था—अब औपचारिकता बनकर रह गया है। डिग्रियाँ तो दी जा रही हैं लेकिन दक्षता सुनिश्चित नहीं की जा रही।

इस खोखलेपन के परिणाम तब स्पष्ट होते हैं जब छात्र नौकरी के लिए सामने आते हैं। रसायन विज्ञान में परास्नातक छात्र बुनियादी वैज्ञानिक अवधारणाएँ नहीं समझा पाता। कॉमर्स स्नातक डेबिट और क्रेडिट की मूल अवधारणा स्पष्ट नहीं कर पाता। प्रबंधन की डिग्री रखने वाला छात्र समस्या-समाधान और आलोचनात्मक सोच में कमजोर दिखाई देता है। ये कोई इक्का-दुक्का उदाहरण नहीं बल्कि उद्योग जगत द्वारा बार-बार देखी जा रही सामान्य प्रवृत्तियाँ हैं।

स्वाभाविक रूप से इससे छात्रों और अभिभावकों में निराशा पैदा होती है। वर्षों की पढ़ाई और भारी आर्थिक निवेश के बावजूद जब रोजगार नहीं मिलता तो सवाल उठते हैं। माता-पिता यह पूछने में बिल्कुल सही होते हैं कि पढ़ाई के बाद भी बच्चा बेरोज़गार क्यों है। अक्सर इस असंतोष का निशाना सरकार बनती है, जिस पर रोजगार सृजन न कर पाने का आरोप लगाया जाता है। हालाँकि रोजगार सृजन एक नीतिगत चुनौती है लेकिन यह विमर्श एक असहज सच्चाई को नज़रअंदाज़ कर देता है कि बड़ी संख्या में स्नातक वास्तव में रोजगार योग्य ही नहीं हैं।

यहीं से मूल प्रश्न जन्म लेता है। यदि छात्रों में आवश्यक ज्ञान और कौशल नहीं है तो उन्हें योग्य घोषित करने वाली डिग्रियाँ उन्हें कैसे मिल गईं? ऐसी संस्थाओं को बिना अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित किए प्रमाणपत्र बाँटने की अनुमति किसने दी? इसका उत्तर हमें उच्च शिक्षा के नियामक ढाँचे में मिलता है।

भारत में उच्च शिक्षा की देखरेख कई मंत्रालयों, विभागों और नियामक संस्थाओं द्वारा की जाती है, जिनका घोषित उद्देश्य मानकों की रक्षा, गुणवत्ता सुनिश्चित करना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना है। मान्यता प्रणालियाँ, निरीक्षण, मूल्यांकन और अकादमिक ऑडिट इसी उद्देश्य से बनाए गए थे। लेकिन व्यवहार में ये प्रक्रियाएँ अक्सर वास्तविक मूल्यांकन की बजाय औपचारिक अनुष्ठान बनकर रह गई हैं।

निरीक्षण प्रायः पूर्व निर्धारित होते हैं। दस्तावेज़ औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सजाए जाते हैं। इमारतों और बुनियादी ढाँचे को शिक्षण गुणवत्ता पर प्राथमिकता दी जाती है। अनुपालन को सीखने के परिणामों से ऊपर रखा जाता है। छात्रों का वास्तविक अकादमिक अनुभव, शिक्षण की गुणवत्ता, परीक्षा की कठोरता और जिज्ञासा की संस्कृति- इन पर गंभीर और निरंतर निगरानी शायद ही होती है। नतीजतन, संस्थान शिक्षा सुधारने के बजाय नियामकों को मैनेज करना सीख लेते हैं।

इस नियामक शिथिलता ने एक दुष्चक्र को जन्म दिया है- संस्थान न्यूनतम अकादमिक जवाबदेही के साथ चलते रहते हैं, नियामक निगरानी का आभास बनाए रखते हैं और डिग्रियाँ लगातार जारी होती रहती हैं। इस व्यवस्था की क़ीमत न तो संस्थान चुकाते हैं, न ही नियामक बल्कि छात्र, नियोक्ता और समाज चुकाता है।

विडंबना यह है कि एक ओर उद्योग जगत योग्य मानव संसाधन की कमी की शिकायत करता है, वहीं दूसरी ओर देश शिक्षित बेरोज़गारी के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यह कोई विरोधाभास नहीं बल्कि उस व्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम है जहाँ प्रमाणपत्र को क्षमता से ऊपर रखा गया है। कंपनियाँ नए कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित करने पर भारी ख़र्च करने को मजबूर हैं, जबकि युवा पेशेवर आत्मविश्वास की कमी और करियर ठहराव से जूझते हैं।

इस व्यवस्था का सबसे बड़ा शिकार वे ईमानदार और प्रतिभाशाली छात्र हैं, जो अक्सर विकल्पों की कमी या भ्रामक ब्रांडिंग के कारण औसत संस्थानों में दाख़िला ले लेते हैं। वे मेहनत करते हैं, सीखना चाहते हैं लेकिन अंततः उन्हें अपनी काबिलियत से ज़्यादा अपनी मार्कशीट पर दर्ज संस्थान के नाम का बोझ उठाना पड़ता है। उनकी व्यक्तिगत योग्यता संस्थागत विश्वसनीयता की कमी में दब जाती है। यह केवल अन्याय नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा की बर्बादी है।

यह स्वीकार करना होगा कि भारत में आज भी कुछ उच्च-गुणवत्ता वाले संस्थान मौजूद हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। लेकिन वे अपवाद हैं, नियम नहीं। उल्लेखनीय है कि बारहवीं तक की स्कूली शिक्षा आज भी अपेक्षाकृत अधिक संरचित और नियंत्रित है। जैसे ही छात्र उच्च शिक्षा में प्रवेश करता है, निगरानी ढीली पड़ जाती है और अपेक्षाएँ धुंधली हो जाती हैं।

यदि इस प्रवृत्ति को समय रहते नहीं रोका गया, तो इसके दीर्घकालिक परिणाम गंभीर होंगे। डिग्रियों का सामाजिक और आर्थिक मूल्य घटेगा। उच्च शिक्षा पर सार्वजनिक विश्वास कमजोर होगा। योग्यता और औसतपन के बीच का अंतर और अधिक अस्पष्ट होता जाएगा। हर गली में विश्वविद्यालय जैसे वाक्य व्यंग्य नहीं बल्कि यथार्थ का वर्णन बन जाएंगे—जहाँ विश्वविद्यालय तो हर जगह होंगे, पर शिक्षा नहीं।

अब सुधार का समय है और यह सुधार ईमानदार और कठोर होना चाहिए। नियामक संस्थाओं को बॉक्स-टिकिंग से आगे जाकर परिणाम आधारित, पारदर्शी और अप्रत्याशित मूल्यांकन अपनाना होगा। शिक्षण की गुणवत्ता, सीखने के परिणाम, छात्र सहभागिता और मूल्यांकन की ईमानदारी को इमारतों और विज्ञापनों से ऊपर रखना होगा।

संस्थानों की जवाबदेही तय करनी होगी। जो कॉलेज और विश्वविद्यालय लगातार अकादमिक रूप से असफल हो रहे हैं, उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए- सीटों में कटौती, पाठ्यक्रम निलंबन या मान्यता रद्द करने तक। उच्च शिक्षा ऐसा व्यवसाय नहीं हो सकता जहाँ असफलता की कोई क़ीमत न चुकानी पड़े।

छात्रों और अभिभावकों को भी अधिक सजग होना होगा। केवल मार्केटिंग, बुनियादी ढाँचे और ब्रांडिंग के आधार पर निर्णय लेना भविष्य के साथ समझौता है। शिक्षा कोई साधारण ख़रीद नहीं बल्कि बौद्धिक और व्यावसायिक विकास में निवेश है और ग़लत निर्णयों के दूरगामी परिणाम होते हैं।

अंततः, उच्च शिक्षा का उद्देश्य डिग्री बाँटना नहीं बल्कि सोचने-समझने वाले, सक्षम और ज़िम्मेदार नागरिक तैयार करना है। जब तक यह मूल उद्देश्य पुनः स्थापित नहीं होता, तब तक रोबोडॉग जैसे विवाद आते रहेंगे- कुछ समय के लिए शोर मचाएँगे और फिर शांत हो जाएँगे, जबकि असली संकट जस का तस बना रहेगा। हमें सजावटी सुधार नहीं, बल्कि प्रणालीगत आत्ममंथन चाहिए। क्योंकि शिक्षा का संकट केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहता, वह चुपचाप राष्ट्र का भविष्य गढ़ता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

# गहरे संदेश देती कंजक- द गर्ल विदाउट अ नेम

**विवेक शुक्ला**

हिंदुओं के लिए नवरात्रि सिर्फ़ त्योहार नहीं, एक गहरी भावना है जो हमारी संस्कृति में बसी हुई है। साल में दो बार मनाया जाने वाला यह त्योहार अष्टमी या नवमी पर कंजक या कन्या पूजन के साथ खत्म होता है। इस दिन घर में नौ छोटी लड़कियों और एक लड़के (जिसे अक्सर लोंकड़ा कहते हैं) को बुलाया जाता है और उन्हें मां दुर्गा का जीवंत रूप मानकर पूजा जाता है। उन्हें पूढ़ी, हलवा, चना खिलाया जाता है, उपहार दिए जाते हैं और उनके पैर छुए जाते हैं। यह रस्म शुद्धता, भक्ति और स्त्री शक्ति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है।

यह रस्म बहुत पवित्र और प्यारी है, लेकिन इसमें कुछ सामाजिक बारीकियां और रोज़मर्रा की मुश्किलें भी छिपी हैं। इन्हीं बातों को बहुत खूबसूरती से दिखाया गया

है फिल्म कंजक- द गर्ल विदाउट अ नेम में। यह फिल्म

सचिदानंद जोशी की कहानी पर आधारित है। राहुल

यादव ने इसे बहुत संवेदनशीलता से निर्देशित किया है। यह हाल ही में रिलीज़ हुई एक छोटी लेकिन गहरी छाप छोड़ने वाली कहानी है, जो दिल्ली के एक मध्यमवर्गीय घर में दुर्गा पूजा के दौरान घटित होती है।

पूजा से पहले का हंगामा

कहानी की मुख्य किरदार हैं एक सम्मानित और धार्मिक महिला, जिन्हें सब प्यार से आंटी कहते हैं। मालविका जोशी ने इस रोल को बहुत शिद्दत से निभाया है। आंटी कन्या पूजन की हर छोटी-बड़ी तैयारी पूरी लगन से कर

रही हैं लेकिन सुबह होते ही सब उल्टा-पुल्टा हो जाता है। घर की मदद करने वाली मीना नहीं आती। प्लेटें, चढ़ावा, यहां तक कि पूजा की दरी भी गायब हो जाती है। घर वाले बेचैन और चिढ़े हुए हैं।

आंटी की घबराहट बढ़ती जाती है। उनकी यह

परेशानी एक गहरी सचाई दिखाती है।

औरतों पर ही अक्सर संस्कृति और धर्म की रस्मों को पूरी तरह निभाने का बोझ पड़ता है। रस्म की पवित्रता खतरे में लगती है और घर का

माहौल तनाव से भर जाता है।

फिल्म इन घरेलू बातों को बहुत सचाई से दिखाती है—छोटी-छोटी चिढ़, पीढ़ियों का फर्क, और नीचे-नीचे छिपी भक्ति—बिना ज़्यादा बढ़ा-चढ़ाकर। जो शुरू में घरेलू हंगामे जैसी हल्की-फुल्की कॉमेडी लगती है, वो धीरे-धीरे बहुत गहरी सोच वाली बात बन जाती है।

अचानक आई वो रहस्यमयी दीदी

जब तनाव चरम पर पहुंचता है, तभी एक युवती जिसे सिर्फ़ दीदी कहा जाता है, अचानक आ पहुंचती है—और ठीक नौ लड़कियों के साथ। उसका आना ऐसा लगता है जैसे भगवान ने खुद भेजा हो। वो शांत और आत्मविश्वास से भरी हुई है। वो गायब चीज़ें ढूँढ निकालती है, सबको बैठाती है, बचों से प्यार से बात करती है और आंटी को ढाढ़स बंधाती है।

एक पल में सब बदल जाता है। घर जो तनाव से भरा था, अब गर्मजोशी और सुखद

माहौल से भर जाता है। लड़कियां हंसती-खेलती हैं, गाती हैं और पूजा में खुशी-खुशी हिस्सा लेती हैं। दीदी की शांत कार्यक्षमता और संयम से रस्म सिर्फ़ रस्म नहीं रह जाती, बल्कि सच्ची भक्ति और एकता का रूप ले लेती है।

ये लड़की (सवलीन कौर) घर की मालकिन आंटी से बात करते हुए एक कड़वी सचाई कह देती है—हमने अपनी नदियों को बहुत गंदा कर दिया है। उसकी बात उत्सव की खुशी में चुभ जाती है। खासकर दिल्ली में, जहां कंजक के बाद लोग यमुना किनारे जाकर बचे-खुचे प्रसाद को बहा देते हैं—और यही नदी को और गंदा करते हैं।

यह पल हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या बिना ज़िम्मेदारी वाली रस्म सच में भगवान की इज्ज़त करती है?

एक आध्यात्मिक मोड़

पूजा खत्म होने पर माहौल गंभीर हो जाता

है। कबीर का भजन धीरे-धीरे बजता है-

मोको

कहाँ ढूंढे रे बंदे, मैं तो तेरे पास में।

यह भजन फिल्म के मुख्य संदेश को

रेखांकित करता है। बिना यादा खुलासा किए, कहानी

में दीदी की असलियत का एक दमदार ट्विस्ट आता है। यह ट्विस्ट कहानी को घरेलू सचाई

से आध्यात्मिक प्रतीक तक ले जाता है। यह बताता है कि भगवान सिर्फ़ बड़ी-बड़ी

रस्मों या दूर की मूर्तियों में नहीं, बल्कि

इंसानी रिश्तों, दया और सची श्रद्धा में बसता है। बिना नाम वाली लड़की एक प्रतीक बन जाती है—उस पवित्रता की, जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं।

क्लाइमेक्स ड्रामेटिक नहीं, बल्कि सोचने वाला है। फिल्म खत्म होने के बाद भी दिमाग में घूमती रहती है।

रस्म से परे भक्ति

सचिदानंद जोशी की कहानी सामाजिक टिप्पणी के

लिए जानी जाती है और फिल्म ने उसे अछे से अपनाया है। यह समावेशिता, औरतों की संस्कृति बचाने की भूमिका, और जाति-वर्ग-धर्म की दीवारों को तोड़ने

की बात करती है। यह सवाल उठाती है कि क्या सिर्फ़ यांत्रिक रस्में करने से भक्ति बची रहती है, या असली भक्ति तो सहानुभूति और खुले दिल में है।

राहुल यादव का निर्देशन हास्य, कोमलता और दर्शन के बीच संतुलन बनाए रखता है। गति तेज़ है, एक्टिंग स्वाभाविक है

और कहानी बिना बनावटी के है। मालविका जोशी ने आंटी के घबराहट से आश्चर्य तक के सफर को खूबसूरती से निभाया है। बचे भी बहुत सहज और मासूम लगते हैं।

कंजक- द गर्ल विदाउट अ नेम सिर्फ़ त्योहार वाली

शॉर्ट फिल्म नहीं है। यह एक कोमल याद दिलाती है कि सची भक्ति कठोर रस्मों में नहीं, बल्कि इंसानियत में

है। आजकल जब त्योहार दिखावा बन जाते हैं, यह फिल्म हमें भक्ति का असली मतलब फिर से याद दिलाती है।

यह हमें सोचने पर मजबूर करती है कि हम भगवान को कहाँ ढूँढते हैं। शायद वो दूर नहीं, हमारे बगल में ही है—बिना नाम का, अनदेखा, लेकिन बहुत असली।

अपने शांत और सादे अंदाज़ में यह फिल्म भारतीय परंपरा, सामाजिक सोच और सार्थक कहानी का बेहतरीन मिश्रण है। जो भारतीय संस्कृति, सामाजिक मुद्दों और अछी कहानी पसंद करते हैं, उनके लिए यह फिल्म

ज़रूर देखने लायक है—दिल को छूने वाली और लंबे समय तक याद रहने वाली।

(लेखक, जाने-माने पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

# न्याय बने विकास की कसौटी

**- योगेश कुमार गोयल**

किसी भी समाज की सच्ची प्रगति उसकी ऊंची इमारतों या तेज आर्थिक वृद्धि से नहीं बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि वह अपने सबसे कमजोर, वंचित और हाशिए पर खड़े नागरिकों को कितना न्यायपूर्ण, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करता है। 20 फरवरी को मनाया जाने वाला सामाजिक न्याय का विश्व दिवस मानव सभ्यता की उस मूल चेतना का प्रतीक है, जिसके बिना न तो शांति संभव है और न ही टिकाऊ विकास। इस दिवस की स्थापना इसलिए की गई थी ताकि गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, असमानता और भेदभाव जैसी जटिल वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए देशों के बीच साझा प्रतिबद्धता को मजबूती मिल सके।

वर्ष 2026 में सामाजिक न्याय का विश्व दिवस की थीम है 'समावेशन को सशक्त बनाना- सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना'। यह थीम स्पष्ट करती है कि असमानताओं को कम करने के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि विकास की प्रक्रिया में समाज के हर वर्ग की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो। समावेशन का अर्थ केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाना नहीं बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में उन लोगों की आवाज को स्थान देना है, जो अब तक हाशिए पर रहे हैं। जब तक नीतियां केवल केंद्रों में बनती रहेंगी और उनका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचेगा, तब तक सामाजिक न्याय एक अधूरा लक्ष्य बना रहेगा।

यह दिवस विशेष प्रासंगिकता रखता है क्योंकि आज की दुनिया एक गहरे संक्रमणकाल से गुजर रही है। वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनावों ने आर्थिक व सामाजिक ढ़ांचों को तेजी से बदला है। इन बदलावों का लाभ जहां कुछ सीमित वर्गों तक सिमट गया है, वहीं बड़ी आबादी, विशेषकर गरीब, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, महिलाएं, प्रवासी, दिव्यांगजन और अल्पसंख्यक समुदाय और अधिक असुरक्षित होती जा रही है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय केवल नैतिक आदर्श नहीं, नीति और शासन की अनिवार्य प्राथमिकता बन चुका है।

सामाजिक न्याय की अवधारणा अवसरों, संसाधनों और अधिकारों के निष्पक्ष वितरण से जुड़ी है। इसका मतलब यह नहीं कि सभी को समान परिणाम मिले बल्कि यह है कि सभी को समान अवसर उपलब्ध हों। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और कानूनी सुरक्षा तक समान पहुंच इसके मूल स्तंभ हैं। जब किसी व्यक्ति का भविष्य उसकी जाति, लिंग, धर्म, जन्म स्थान या आर्थिक स्थिति से तय होने लगे, तब यह स्पष्ट संकेत होता है कि समाज में न्याय का संतुलन बिगड़ चुका है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। एक ओर अत्यधिक संपन्न वर्ग है, जिसके पास संसाधनों और अवसरों की प्रचुरता है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बेरोजगारी, असुरक्षित रोजगार और कम वेतन ने विशेष रूप से युवाओं के सामने गंभीर संकट खड़े कर दिए हैं। इसी संदर्भ में सम्मानजनक कार्य और मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता सामने आती है। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, बेरोजगारी सहायता और खाद्य सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं केवल कल्याणकारी योजनाएं नहीं बल्कि सामाजिक स्थिरता और भरोसे की आधारशिला हैं।

भारत में सामाजिक न्याय का विचार गहरे संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है। संविधान की प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की गारंटी देती है जबकि मौलिक अधिकार और राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत असमानताओं को कम करने और कल्याणकारी राज्य की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। स्वतंत्रता के बाद से आरक्षण नीति, सामाजिक कल्याण योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य में सार्वजनिक निवेश तथा कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। बावजूद इसके, क्षेत्रीय असमानताएं, शहरी-ग्रामीण विभाजन, डिजिटल डिवाइड और लैंगिक विषमता जैसी चुनौतियां आज भी बनी हुई हैं।

सामाजिक न्याय का विश्व दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है कि क्या हमारी नीतियां अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रही हैं, क्या शिक्षा और रोजगार के अवसर वास्तव में समान हैं और क्या विकास का लाभ संतुलित रूप से बंट रहा है? यह दिवस यह भी याद दिलाता है कि सामाजिक न्याय की लड़ाई किसी एक देश या सरकार की नहीं बल्कि वैश्विक सहयोग और सामूहिक प्रयास की मांग करती है। सामाजिक न्याय का विश्व दिवस 2026 इस सत्य को दोहराता है कि सच्ची प्रगति तभी संभव है, जब कोई भी पीछे न छूटे। समावेशन और सशक्तिकरण केवल शब्द नहीं बल्कि रोजमर्रा के निर्णयों, नीतियों और सामाजिक व्यवहारों में उतारने योग्य जिम्मेदारी हैं। जब हर व्यक्ति को समान गरिमा, अवसर और सुरक्षा मिलती है, तभी न्याय कागजों से निकलकर जीवन की वास्तविकता बनता है और एक अधिक मानवीय, समावेशी तथा न्यायपूर्ण विश्व का निर्माण संभव हो पाता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

## अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में वर्धमान कॉलेज ने फहराया परचमा

एजेंसी

**बिजनौर।** गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में कई जनपदों के खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए वर्धमान कॉलेज के खिलाड़ियों ने परचम लहराया। पुरुष वर्ग में सर्वज्ञ, जबकि महिला वर्ग में उनकी बहन श्रेया विजेता बनी। वर्धमान कॉलेज बिजनौर के शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग में गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महिला व पुरुष वर्ग में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ वर्धमान डिग्री कॉलेज बिजनौर की प्राचार्या डॉक्टर प्रीति खन्ना ने शतरंज की चाल चलकर किया। । प्रतियोगिता में बिजनौर जनपद के अलावा मुरादाबाद व रामपुर जनपद से आये खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की ओर से डॉक्टर सनी कुमार (गुलाब सिंह डिग्री कॉलेज चांदपुर) को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया। वहीं निर्णायक मंडल में सीनियर नेशनल आर्बिटर विवेक त्यागी, नूतन भारद्वाज, शोभित जैन एवं प्रीति त्यागी रहे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूर्ण मनोयोग से शह और मात का खेल खेला। इनमें से पुरुष वर्ग में सर्वज्ञ भारद्वाज और महिला वर्ग में श्रेया भारद्वाज ने प्रथम स्थान हासिल किया। ये दोनों ही विजेता वर्धमान डिग्री कॉलेज बिजनौर के विद्यार्थी है और सगे भाई बहन है।

## घरेलू टी-20 पंजाब प्रीमियर लीग में दिखेगा गिल, अभिषेक, अर्शदीप का जलवा

**चंडीगढ़।** पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) इस साल जून में पंजाब की घरेलू टी-20 प्रतियोगिता पंजाब प्रीमियर लीग (पीपीएल) का आयोजन करेगा। इस बार टूर्नामेंट नए नाम और नए प्रारूप के साथ आयोजित किया जाएगा। पंजाब प्रीमियर लीग 2026 में कुल छह टीमें भाग लेंगी और सभी टीमें फ्रेंचाइज़ी मॉडल पर आधारित होंगी। खिलाड़ियों की खरीद नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से की जाएगी। इस लीग में केवल पंजाब में पंजीकृत खिलाड़ी ही हिस्सा ले सकेंगे। लीग में पंजाब के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आकर्षण का केंद्र होंगे। भारतीय टेस्ट और सीमित ओवरों के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल, भारत के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को मार्की खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया जाएगा। इनके अलावा रामनदीप सिंह, नेहल वढेरा, नमन धीर, अनमोलप्रीत सिंह, प्रभसिमरन सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी मार्की सूची में शामिल हो सकते हैं। वर्तमान भारत अंडर-19 टीम के सदस्य युवा खिलाड़ी विहान मल्होत्रा भी इस लीग में खेलते नजर आएंगे। सीनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ पंजाब की अंडर-23 टीम के खिलाड़ियों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

## टी-20 विश्व कप के बाद संन्यास लेंगे नवनीत ढालीवाल, अफगानिस्तान में खेलेंगे आखिरी मुकाबला

**नई दिल्ली।** कनाडा के पूर्व कप्तान नवनीत ढालीवाल ने जारी आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में कनाडा के अंतिम मुकाबले के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। कनाडा गुरुवार को अफगानिस्तान के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलेगा। ढालीवाल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद अपने फैसले की पुष्टि की। इस हार के साथ ही कनाडा की सुपर आठ चरण में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हो गईं। टी-20 विश्व कप 2026 में ढालीवाल अब तक 108 रन बना चुके हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मुकाबले में 49 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली थी। इसके बाद यूएई के खिलाफ 34 रन बनाए। ढालीवाल टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कनाडा के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में संन्यास लेने जा रहे हैं। वर्ष 2015 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद उन्होंने 29 टी-20 और 4 एकदिवसीय मैचों में टीम की कप्तानी की। उनकी कप्तानी में कनाडा ने टी-20 प्रारूप में 21 जीत दर्ज कीं।ढालीवाल ने बताया कि उन्होंने विश्व कप में आने से पहले ही यह तय कर लिया था कि यह उनका अंतिम टूर्नामेंट होगा।

## नॉर्वे शतरंज में छठी बार हिस्सा लेंगे वेस्ली सो, बोले- रोमांचक और चुनौतीपूर्ण होगा टूर्नामेंट

**स्टावांगर (नॉर्वे)।** विश्व शतरंज के दिग्गज खिलाड़ियों में शुमार वेस्ली सो ने नार्वे चेस 2026 में अपनी वापसी की पुष्टि कर दी है। यह उनका इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में छठा सहभाग होगा। महज 14 वर्ष की उम्र में ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करने वाले वेस्ली सो ने जल्द ही अपनी पीढ़ी के अग्रणी खिलाड़ियों में स्थान बना लिया है। वेस्ली सो ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'मैं नॉर्वे शतरंज में फिर से खेलने को लेकर बेहद खुश हूं। शानदार धूप में यहां आना सुखद अनुभव है। एक मजेदार और चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं!' पूर्व विश्व नंबर दो रह चुके वेस्ली सो पिछले एक दशक से अंतरराष्ट्रीय शतरंज के शीर्ष स्तर पर लगातार अपनी मौजूदगी दर्ज कराते रहे हैं। अपने करियर के शिखर पर उन्होंने 2800 से अधिक रेटिंग हासिल की और 2016 से 2017 के बीच क्लासिकल प्रारूप में 67 मुकाबलों तक अपराजित रहने का अद्भुत रिकॉर्ड बनाया। वेस्ली सो 2019 में फिडे विश्व फिशर रैंडम चैंपियन बने।

# भारतीय महिला कबड्डी टीम को 'बीबीसी स्टार परफॉर्मर्स ऑफ द ईयर 2025' सम्मान

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** भारतीय महिला कबड्डी टीम को विश्व कप में ऐतिहासिक जीत के बाद बीबीसी स्टार परफॉर्मर्स ऑफ द ईयर 2025 सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्स वूमेन ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स समारोह में प्रदान किया गया, जिसने महिला कबड्डी की बढ़ती प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दी। भारतीय महिला टीम की सदस्य ऋतु श्योराण ने कहा कि यह सम्मान न केवल टीम बल्कि पूरे खेल के लिए महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा, 'कबड्डी को इस तरह के बड़े मंच पर पहचान मिलना बेहद खास है। आमतौर पर कबड्डी को इतनी सुर्खियां नहीं मिलतीं, इसलिए पूरी टीम के साथ यहां होना गर्व का पल है।' विश्व कप जीत को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'कई वर्षों बाद विश्व कप जीतना हम सभी के लिए भावुक क्षण था। ऐसे पुरस्कार

अगली पीढ़ी की लड़कियों को प्रेरित करते हैं कि वे भी भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखें।' उन्होंने महिला कबड्डी को और मजबूत समर्थन देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि युवा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिल सकें टीम की अन्य खिलाड़ी पूजा काजला ने भी इस सम्मान को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, 'इस मंच पर आमंत्रित और सम्मानित होना हमारे लिए बेहद खुशी की बात है। पहली बार कबड्डी को इस तरह शामिल कर सम्मानित किया गया है, जो हमारे लिए बहुत मायने रखता है।' काजला ने कहा कि इस तरह की पहचान का सामाजिक प्रभाव भी होता है। उन्होंने कहा, 'इससे लड़कियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और परिवारों को भी गर्व महसूस होता है। यह युवा खिलाड़ियों को खेल को गंभीरता से अपनाने के लिए प्रेरित करता है।' भारत की दमदार विश्व कप जीत ने न केवल टीम के दबदबे को साबित किया, बल्कि नई पीढ़ी की खिलाड़ियों को भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। खिलाड़ियों का मानना है कि इस तरह के सम्मान महिला खेलों को आगे बढ़ाने और पारंपरिक भारतीय खेलों को व्यापक मंच देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

## अयोध्या में 22 फरवरी को होने वाले 'रन फॉर राम' मैराथन की जर्सी का अनावरण

एजेंसी

**नई दिल्ली।** उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 22 फरवरी को होने वाले 'रन फॉर राम' मैराथन के चौथे संस्करण की आधिकारिक जर्सी का वर्चुअल माध्यम से अनावरण किया गया। 'रन फॉर राम 2026' में 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। इस मैराथन में एथलीट, फिटनेस प्रेमी, परिवार, वरिष्ठ नागरिक, युवा और आध्यात्मिक प्रेरणा से जुड़े लोग समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लेंगे। अयोध्या में यह आयोजन स्वास्थ्य, एकता और राष्ट्रीय गौरव के उत्सव के रूप में आयोजित किया जाएगा। भारत सरकार की 'नवरत्न' श्रेणी की कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड इस मैराथन में साझेदार के रूप में जुड़ी हुई है, जो इस खेल पहल को सहयोग प्रदान कर रही है। इस अवसर पर क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि रन फॉर राम जर्सी का अनावरण केवल एक और मैराथन की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह उस सतत अभियान का प्रतीक है, जो आस्था, स्वास्थ्य को जोड़ता है। हम एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड, गोवा सरकार, छत्तीसगढ़ सरकार और अपने सभी सहयोगी भागीदारों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस यात्रा में लगातार सहयोग दिया है। उनका समर्थन हमें हजारों लोगों को भगवान श्रीराम के प्रति भक्ति और स्वस्थ व एकजुट भारत के संकल्प के साथ जोड़ने में मदद करता है।

# बरेका में अखिल भारतीय रेलवे हैंडबॉल प्रतियोगिता का आगाज

एजेंसी

**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में 18वीं अखिल भारतीय रेलवे हैंडबॉल प्रतियोगिता (पुरुष-महिला) का भव्य आगाज हुआ। बतौर मुख्य अतिथि प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर, एवं अध्यक्ष, बरेका खेल संघ सुशील कुमार श्रीवास्तव ने शांति, एकता और खेल भावना का प्रतीक रंग- बिरंगे गुब्बारों को आकाश में उड़ाकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में उद्घाटन मैच बनारस रेल इंजन कारखाना और दक्षिण मध्य रेलवे के बीच खेला गया । जिसमें बनारस रेल इंजन कारखाना की टीम ने दक्षिण मध्य रेलवे की टीम को 19-13 से हराकर शानदार विजय प्राप्त किया। महिला वर्ग में पहला मैच उत्तर रेलवे और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीमों के बीच खेला गया । जिसमें दक्षिण

पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने उत्तर रेलवे की टीम को 24-16 से हरा कर शानदार जीत दर्ज किया। दोनों मैचों के दौरान मैदान पर उपस्थित दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। बरेका के जनसम्पर्क कार्यालय के अनुसार प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, बनारस रेल इंजन कारखाना, पश्चिम रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, रेलवे सुरक्षा बल,उत्तर पश्चिम रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रेलवे बोर्ड, पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स की टीम भाग ले रही है।

# महिला प्रो गोल्फ टूर: वाणी कपूर और त्वेसा मलिक संयुक्त बढ़त पर

एजेंसी

**पुणे।** महिला प्रो गोल्फ सर्किट के चौथे चरण में रोमांचक मुकाबला देखने को मिल रहा है। वाणी कपूर ने शानदार खेल दिखाते हुए दो राउंड के बाद शीर्ष स्थान पर त्वेसा मलिक की बराबरी कर ली है। दोनों खिलाड़ी महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के इस चरण में खिताब की प्रबल दावेदार बनकर उभरी हैं। प्रतियोगिता पूना क्लब गोल्फ कोर्स में खेली जा रही है।

2025 की ऑर्डर ऑफ मेरिट विजेता वाणी कपूर ने संतुलित खेल दिखाया। फ्रंट नाइन में बर्डी और बोगी का मिला-जुला दौर रहा, लेकिन नौवें होल की बर्डी ने उन्हें अंडर-पार में पहुंचाया। बैक नाइन में एक बर्डी और एक बोगी के साथ उन्होंने 70 का कार्ड खेलकर बढ़त साझा कर ली।त्वेसा मलिक ने पहले होल पर बर्डी से शुरुआत की, हालांकि आठवें होल के डबल-बोगी से उनका स्कोर प्रभावित हुआ। बाद में 11वें, 14वें और 16वें होल पर बर्डी लगाकर उन्होंने वापसी की और इवन-पार पर राउंड खत्म किया। दिन की सर्वश्रेष्ठ पारी स्नेहा सिंह के नाम रही, जिन्होंने

बिना किसी बोगी के 67 का स्कोर बनाया। वह अब रिद्धिमा दिलावारी के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। रिद्धिमा, जो पहले दिन सह-लीडर थीं, दूसरे राउंड में 72 खेलकर एक स्थान खिसक गईं।तीसरे राउंड के बाद प्रतिस्पर्धा और कड़ी हो गई है। नेहा त्रिपाठी, लावन्या गुप्ता और अनुराधा चौधरी 3-ओवर कुल स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर हैं। जैसमिन शेकर आठवें स्थान पर काबिज हैं। नौवें स्थान पर नयनिका सांगा, जहान्वी बख्शी, लावन्या टंडन, विधात्री उर्स और दुर्गा नित्तुर संयुक्त रूप से मौजूद हैं। कट 156 पर लगा और 32 खिलाड़ी अंतिम राउंड में पहुंचीं। 49 खिलाड़ियों के बड़े फील्ड और 17 लाख रुपये की इनामी राशि वाले इस चरण का फैसला अब अंतिम दिन होगा, जहां वाणी, त्वेसा और स्नेहा खिताब के लिए सीधी टक्कर में नजर आएंगी।

# टी-20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका ने यूएई को हराया, ग्रुप डी में जीते अपने चारों मैच

एजेंसी

**नई दिल्ली।** आईसीसी टी-20 विश्व कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप डी में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए यूएई को छह विकेट से हराया। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप चरण के चारों मुकाबले जीतकर अपराजित रहते हुए सुपर आठ में प्रवेश किया। यहां अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में बारिश की आशंका के बीच पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई ने आक्रामक शुरुआत की। मुहम्मद वसीम ने कगिसो रबाडा के एक ओवर में लगातार तीन चौके जड़ दिए। हालांकि जॉर्ज लिंडे के आक्रमण में आते ही रनगति पर अंकुश लग गया।इसके बाद कॉर्बिन बॉश ने अतिरिक्त उछाल का फायदा उठाते हुए आर्यांश शर्मा और सोहैब खान को पवेलियन भेजा। एनरिक नॉर्टजे और क्वेना मफाका की तेज गेंदों ने भी यूएई बल्लेबाजों को परेशान किया। यूएई के लिए अलीशन शराफू ने संघर्षपूर्ण 45

रन बनाए, लेकिन टीम 20 ओवर में 122/6 तक ही पहुंच सकी। बारिश के कारण दक्षिण अफ्रीका की पारी में थोड़ी देरी हुई। लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान एडेन मार्करम और क्विंटन डी कॉक को स्पिन गेंदबाजों ने शुरुआत में रोके रखा। हालांकि मार्करम ने एक ओवर में 18 रन बटोरकर दबाव कम किया, लेकिन उसी ओवर की आखिरी गेंद पर बोल्ड हो गए। रयान रिकेल्टन और डेवाल्ड ब्रेविस ने तेज बल्लेबाजी कर रनगति बनाए रखी। ब्रेविस ने 36 और रिकेल्टन ने 30 रन बनाए। अंत में ट्रिस्टन स्टब्स और जेसन स्मिथ ने 13.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। कॉर्बिन बॉश ने 3 विकेट लेकर टी20 करियर के 100 विकेट पूरे किए और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने कहा कि शुरुआती ओवरों में गेंद में हल्की हरकत थी और गेंदबाजों के बीच शानदार तालमेल देखने को मिला। सुबह हुई बारिश ने भी पिच को थोड़ी मदद पहुंचाई। दक्षिण अफ्रीका अब सुपर आठ के ग्रुप 1 में 22 फरवरी को अहमदाबाद में भारत से भिड़ेगा।

**संक्षिप्त स्कोर:**

यूएई 122/6 (अलीशन शराफू 45, मुहम्मद वसीम 22; कॉर्बिन बॉश 3/12, एनरिक नॉर्टजे 2/28)।

दक्षिण अफ्रीका 123/4 (डेवाल्ड ब्रेविस 36, रयान रिकेल्टन 30) - 13.2 ओवर में जीत।

## तीस से अधिक खिलाड़ियों ने उत्तीर्ण की ताइक्वांडो कलर बेल्ट परीक्षा

एजेंसी

**मुरादाबाद।** जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आकांक्षा विद्यापीठ इंटर स्कूल, मिलन विहार, मुरादाबाद स्थित आकांक्षा ताइक्वांडो क्लब में ताइक्वांडो कलर बेल्ट टेस्ट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। 30 से अधिक खिलाड़ियों ने ताइक्वांडो कलर बेल्ट परीक्षा उत्तीर्ण की। इस बेल्ट परीक्षा में मुख्य परीक्षक के रूप में राष्ट्रीय रेफरी प्रियांशु रस्तोगी रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों की तकनीक, अनुशासन, फिटनेस और प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। संचालन कोच सुमित शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। कोच ने सभी खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि पीली बेल्ट परीक्षा दिशा सारस्वत, धारिया मेहरा, अंकुश नायक, जिया सागर, लकी मटियाल, दीपिका मटियाल, हंसराज गौतम, सिद्धार्थ गौतम, यश कुमार, शिवम कश्यप, यश श्रीवास्तव, अक्षत सिंह आदि ने उत्तीर्ण की। हरी बेल्ट परीक्षा रुद्र प्रताप सिंह, ध्रुव प्रताप सिंह, नंदनी कश्यप, करुण्या यादव, रुद्र प्रताप सिंह, कार्तिक भारद्वाज आदि ने उत्तीर्ण की।

ग्रीन वन परीक्षा कृष्णा यादव, राघव सिंह, आर्ना कश्यप ने एवं नीली बेल्ट परीक्षा मयंक सिंह, आशी ठाकुर ने उत्तीर्ण की। ब्लू वन शिविका पसान, शिखर सिंह लाल बेल्ट प्रथम सक्सेना ने तथा रेड वन अनिका सैनी ने उत्तीर्ण की। सीनियर ब्लैक बेल्ट खिलाड़ियों का विशेष प्रदर्शन किया ।

कार्यक्रम के दौरान अकादमी के सीनियर ब्लैक बेल्ट खिलाड़ियों में कामिया सैनी, अभिषेक कुमार, यश सक्सेना, रश्मि राज, तनिष्क जैन, युवराज, मयंक तथा अन्य सीनियर्स ने अपने जूनियर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें प्रेरित किया।

# ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय महिला फुटबॉल टीम पर्थ में दो मैत्री मैच खेलेगी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में दो मैत्री मैच खेलेगी। भारतीय टीम 19 फरवरी को पर्थ रेडस्टार फुटबॉल क्लब और 23 फरवरी को पर्थ अज़्ज़ुरी फुटबॉल क्लब के खिलाफ मैदान में उतरेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अनुसार तुर्किये में प्रशिक्षण शिविर समाप्त करने के बाद भारतीय महिला टीम 11 फरवरी को पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया पहुंचीं। टीम अगले महीने होने वाले एशियाई महिला फुटबॉल कप की तैयारियों में जुटी है। 19 फरवरी, दोपहर 2 बजकर 30 मिनट (भारतीय समयानुसार) - भारत बनाम पर्थ रेडस्टार फुटबॉल क्लब, डालमाटिनैक पार्क, पर्थ 23 फरवरी,

शाम 4 बजे (भारतीय समयानुसार) - भारत बनाम पर्थ अज़्ज़ुरी फुटबॉल क्लब, मैसेडोनिया पार्क, पर्थ दोनों मुकाबले बंद दरवाजों के पीछे, बिना दर्शकों की उपस्थिति में खेले जाएंगे। भारत ने तुर्किये दौरे के दौरान यूक्रेन, रूस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और रोमानिया के क्लबों के खिलाफ कुल छह अभ्यास मुकाबले खेले, जिनमें तीन में जीत, एक मुकाबला बराबरी पर और दो में हार का सामना करना पड़ा। हालिया मुकाबले में भारतीय टीम को रोमानिया के क्लब एफके चिकसेरेडा मिएरकुरिया चिउक फुटबॉल क्लब के खिलाफ 0-1 से पराजय झेलनी पड़ी। इससे पहले भारतीय टीम ने रूस के क्लब ज़्वेज्दा-2005 पर्म फुटबॉल क्लब को 2-0 से हराया था। ले के चार खिलाड़ियों का हुआ चयन भारतीय टीम ने जर्मनी के क्लब हर्था बीएससी महिला फुटबॉल टीम को भी 1-0 से मात दी थी। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले ये दोनों अभ्यास मुकाबले एशियाई महिला फुटबॉल कप से पहले भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण तैयारी साबित होंगे।

## टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 में पहुंची टीमों को 2028 टी20 विश्व कप का सीधा टिकट

एजेंसी

**दुबई।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने स्पष्ट किया है कि टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 स्टेज में जगह बनाने वाली सभी टीमों ने 2028 में होने वाले अगले टी20 विश्व कप के लिए स्वतः क्वालीफाई कर लिया है। अगला टूर्नामेंट आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2028 ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। सुपर 8 की तस्वीर तब पूरी हुई जब पाकिस्तान ने नामीबिया को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। ग्रुप ए से पाकिस्तान के साथ भारत आगे बढ़ा। ग्रुप बी से श्रीलंका और जिम्बाब्वे, ग्रुप सी से वेस्टइंडीज और इंग्लैंड, जबकि ग्रुप डी से साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड ने जगह बनाई। 2028 संस्करण के सह-मेजबान होने के कारण ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड

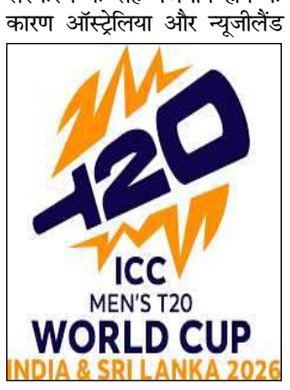


को पहले ही स्वतः प्रवेश मिल चुका था। अब नियमों के तहत सुपर एट्स में पहुंची सभी टीमें भी सीधे क्वालीफाई कर चुकी हैं। 12 स्वतः क्वालीफायर टीमों की सूची आईसीसी रैंकिंग के आधार पर पूरी होगी। तय कट-ऑफ तारीख तक रैंकिंग में शीर्ष पर रहने वाली अगली तीन टीमें भी जगह बनाएंगी। मौजूदा स्थिति में बांग्लादेश, अफगान्तिान और आयरलैंड इन स्थानों के प्रबल दावेदार हैं, क्योंकि कट-ऑफ से पहले उनके कोई अंतरराष्ट्रीय मैच निर्धारित नहीं हैं। शेष आठ स्थान क्षेत्रीय क्वालीफिकेशन के जरिए भरे जाएंगे, जहां अलग-अलग क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मक मजबूती के आधार पर कोटा तय होगा। इस तरह 20 टीमों वाला 2028 टी20 विश्व कप एक बार फिर वैश्विक प्रतिस्पर्धा का बड़ा मंच बनने जा रहा है।

## एक साल बाद भारतीय हॉकी टीम में लौटे अंगद बीर सिंह ने कहा, 'इस बार दिखेगा बड़ा बदलाव'

**नई दिल्ली।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम के युवा फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह की लगभग एक वर्ष बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। उन्हें एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के होबार्ट चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया है। 23 वर्षीय हमलावर खिलाड़ी ने पिछली बार 2024-25 सत्र में भुवनेश्वर में आयरलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। इसके बाद से वह सीनियर टीम का हिस्सा नहीं थे। होबार्ट में होने वाले मुकाबले उनके करियर का पहला विदेशी दौरा भी होगा। अंगद ने वापसी को खास बताते हुए हॉकी इंडिया के हवाले कहा, 'मैं इस अवसर को लेकर बेहद उत्साहित हूं। लंबे समय से प्रशिक्षण कर रहा था और मौके का इंतजार कर रहा था। अब मैं खुद को साबित करना चाहता हूं और भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। 'होबार्ट चरण में भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया और स्पेन जैसी मजबूत टीमों से होगा। अंगद का मानना है कि टीम ने इन प्रतिद्वंद्वियों की शैली को ध्यान में रखते हुए तैयारी की है।उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीय शिविर से ही हमारी तैयारी काफी अच्छी रही है। ऑस्ट्रेलिया और स्पेन की मजबूत 'मैन-टू-मैन' शैली को ध्यान में रखते हुए अभ्यास सत्र तैयार किए गए हैं। फिटनेस और मैच के लिए तैयार रहने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।' हाल ही में राउरकेला चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था।

# अजेय भारत : नीदरलैंड्स को 17 रन से हराया, शिवम दुबे और वरुण चक्रवर्ती बने जीत के महानायक

एजेंसी

**अहमदाबाद।** नीदरलैंड्स के खिलाफ भारत की जीत केवल एक मैच का नतीजा नहीं, बल्कि टीम इंडिया की उस गहराई का प्रमाण है जहाँ मुश्किल वक्त में नए सितारे उभरकर सामने आते हैं। 194 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों, विशेषकर वरुण चक्रवर्ती की फिरकी के आगे उनकी रफ्तार थम गई। शिवम दुबे का 'सिक्सर शो': संकटमोचक बनी 66 रनों की पारी टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत किसी बुरे सपने जैसी रही। युवा ओपनर अभिषेक शर्मा लगातार तीसरे मैच में शून्य पर आउट हुए, जिससे ड्रेसिंग रूम में खामोशी छा गई। ईशान किशन (18) और सूर्यकुमार यादव (34) ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन असली धमाका शिवम दुबे के बल्ले से हुआ। प्लेयर ऑफ द मैच : दुबे ने महज 31 गेंदों में 66 रन कूटे, जिसमें 6 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। पंड्या का साथः हार्दिक

पंड्या (30 रन) और शिवम दुबे के बीच हुई 76 रनों की साझेदारी ने भारत को 193 के मजबूत स्कोर तक पहुँचाया। वरुण चक्रवर्ती : स्पिन का वो मायाजाल जिसने जीत पक्की की भले ही शिवम दुबे को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, लेकिन जीत की स्क्रिप्ट वरुण चक्रवर्ती ने लिखी। जब नीदरलैंड्स के बल्लेबाज हाथ खोलने की कोशिश कर रहे थे, वरुण ने अपनी 'मिस्ट्री स्पिन' से मैच का रुख मोड़ दिया। स्पेल ऑफ द मैच : वरुण ने 3 ओवरों में सिर्फ 14 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। उन्होंने एक ही ओवर में एकरमैन और आर्यन दत्त को आउट कर नीदरलैंड्स की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह ने भी शुरुआत में कसी हुई गेंदबाजी कर दबाव बनाए रखा।

**बदलाव और बेंच स्ट्रेंथ की मजबूती**

सुपर-8 से पहले भारत ने अपनी प्लेइंग-11 में दो अहम बदलाव किए। कुलदीप यादव की जगह अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया। हालांकि नीदरलैंड्स के आर्यन दत्त ने भारतीय टॉप ऑर्डर को अपनी कसी हुई गेंदबाजी (2/19) से काफी परेशान किया, लेकिन भारत के मध्यक्रम ने मैच बचा लिया।

**अब आगे क्या?**

ग्रुप स्टेज की बाधा पार करने के बाद अब असली परीक्षा शुरू होगी। रविवार को सुपर-8 के मुकाबले में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। यह मुकाबला तय करेगा कि सेमीफाइनल की रेस में भारत की दावेदारी कितनी मजबूत है।

## मारुति सुजुकी विक्टोरिस ने भव्य 'मास डिलीवरी' समारोह के साथ मनाया सफलता का जश्न

एजेंसी

**ग्वालियर।** ऑटोमोबाइल जगत में अपनी धाक जमाते हुए मारुति सुजुकी एरिना (Maruti Suzuki Arena) द्वारा आज एक भव्य 'विक्टोरिस मास डिलीवरी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गौरवशाली समारोह की शुरुआत सुबह 11:30 बजे अतिथियों के आत्मीय स्वागत और स्थानीय डीलरों द्वारा गणमान्य व्यक्तियों के अभिनंदन के साथ हुई। इसके तुरंत बाद रीजनल मैनेजर श्री अनुराग असोपा ने अपने स्वागत भाषण में कंपनी की उपलब्धियों को साझा किया और ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान ग्राहकों ने विक्टोरिस की तकनीकी श्रेष्ठता की जमकर सराहना की। विशेष रूप से इसके अंडरबॉडी सीएनजी (nderbody CNG) विकल्प को ग्राहकों ने खूब सराहा, जो कि मिड-एसयूवी (Mid-SUV) सेगमेंट में अपनी तरह की पहली विशेषता है और बूट स्पेस की समस्या को पूरी तरह खत्म करती है। साथ ही, ग्राहकों ने इसके स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड (Strong Hybrid) वेरिएंट्स के बेजोड़ माइलेज को भी सराहा, जो आज की पीढ़ी के लिए ईंधन दक्षता का एक नया मानक स्थापित कर रहा है। दोपहर तक चले इस कार्यक्रम में विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से ग्राहकों को बांधे रखा गया, जिसके बाद ग्राहकों ने उत्साहपूर्वक रेफरेंस कूपन भरे।

## कोटक ऑल्ट्स ने जीरोहार्म साइंसेज में किया 40 करोड़ का निवेश

**नई दिल्ली।** वैकल्पिक परिसंपत्तियों में निवेश करने वाली कंपनी कोटक ऑल्टरनेट एसेट मैनेजर्स लिमिटेड (कोटक ऑल्ट्स) ने जीरोहार्म साइंसेज में 40 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कोटक ऑल्ट्स ने बताया कि यह निवेश उसकी इकाई कोटक लाइफ साइंसेज फंड 1 के माध्यम से किया गया है। इस राशि का इस्तेमाल जीरोहार्म अपना कारोबार और ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने तथा नये बाजारों में पांव फैलाने के लिए करेगी। कोटक ऑल्ट्स के निदेशक आशीष रंजन ने कहा, 'भारतीय न्यूट्रास्यूटिकल्स बाजार को अनुकूल व्यापक आर्थिक परिस्थितियों, मांग और आपूर्ति पक्ष के कारकों का समर्थन मिल रहा है। इसकी स्वीकार्यता अभी प्रारंभिक चरण में है और भविष्य में इसमें तीव्र वृद्धि की उम्मीद है। जीरोहार्म आयुर्वेद के कालातीत ज्ञान को उन्नत तकनीक के साथ सहज रूप से एकीकृत कर रोग निवारण और आरोग्य को नये रूप में परिभाषित कर रही है, और सुरक्षित, प्रभावी तथा विस्तार योग्य समाधान प्रदान कर रही है। ' साल 2020 में सचिन दरबारवार द्वारा स्थापित जीरोहार्म एक पादप-आधारित न्यूट्रास्यूटिकल सीधे ग्राहक तक बिक्री करने वाला ब्रांड है। कंपनी के पास एक्सट्रैक्शन, फॉर्म्युलेशन अनुसंधान एवं विकास और विनिर्माण में पूरी तरह एकीकृत क्षमताएं हैं। वह देश में अपनी वेबसाइट के अलावा प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने उत्पाद बेचती है।

## रुपया चार पैसे मजबूत

**मुंबई।**अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 3.50 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 90.6850 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर रुपया दो पैसे चढ़कर 90.72 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपया 12 पैसे की मजबूती के साथ 90.60 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सीमित दायरे में रहते हुए यह ऊपर 90.5925 रुपये और नीचे 90.7150 रुपये प्रति डॉलर तक गया। भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिवाल रहने और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक 0.2 प्रतिशत की तेजी से रुपया मजबूत हुआ है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में दो प्रतिशत से अधिक की तेजी से भारतीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही।

## चावल, गेहूं, चीनी मजबूत; दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

**नई दिल्ली।** घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये। गेहूं और चीनी में भी तेजी रही जबकि दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 13 रुपये बढ़कर 3,854 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं की कीमत नौ रुपये की बढ़त के साथ 2,862 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। आटा कमोबेश गत दिवस के स्तर पर ही रहा। दाल-दलहनों में उड़द दाल की औसत कीमत 31 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। तुअर दाल नौ रुपये महंगी हुई जबकि मसूर दाल में 13 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गयी। चना दाल और मूंग दाल के दाम गत दिवस के स्तर पर ही रहे। विदेशों में चीनी नववर्ष के मौके पर मंगलवार और बुरसा मलेशिया बंद रहा। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.85 प्रतिशत की बढ़त में 58.83 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 76 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सरसों तेल 18 रुपये और पाम ऑयल 13 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। सूरजमुखी तेल की कीमत 12 रुपये बढ़ी। वनस्पति के भाव में टिकाव देखा गया। सोया तेल 34 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 12 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये। चीनी भी नौ रुपये महंगी हुई।

# प्रल्हाद जोशी ने कहा-देश की गैर जीवाश्म बिजली क्षमता 272 गीगावाट के पार

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत की गैर-जीवाश्म आधारित विद्युत उत्पादन क्षमता 272 गीगावाट से ज्यादा हो गई है, जिसमें 141 गीगावाट सौर तथा 55 गीगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक भारत और ब्रिटेन ने आज भारत-यूके अपतटीय पवन कार्यबल लॉन्च किया, जिसका मकसद विजन 2035 के तहत अपनी बड़ी स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी के हिस्से के तौर पर अपतटीय पवन विकास में सहयोग को तेज करना है। इस अवसर पर ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी और भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून भी मौजूद थीं। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने भारत-ब्रिटेन अपतटीय पवन ऊर्जा कार्यबल की शुरुआत के



मौके पर यह जानकारी दी। इस अवसर पर प्रल्हाद जोशी ने कहा कि अपतटीय पवन ऊर्जा देश के स्वच्छ, आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य का मजबूत स्तंभ बन सकती है। कार्यबल की औपचारिक शुरुआत के मौके पर जोशी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 35 गीगावाट से अधिक सौर तथा 4.61 गीगावाट पवन क्षमता जोड़ी है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भारत ने अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म स्रोतों से हासिल किया। यह उपलब्धिक निर्धारित लक्ष्य से पांच वर्ष पहले हासिल की गई। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े स्पष्ट नीति, संस्थागत समन्वय तथा निवेशकों और उद्योग के भरोसे को दर्शाते हैं। यह उपलब्धि वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा तथा 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मंत्री ने कहा कि आज भारत की स्थापित गैर-जीवाश्म क्षमता 272 गीगावाट से अधिक है जिसमें सौर से 141 गीगावाट और पवन से 55 गीगावाट है...। हमारी व्यापकता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत दो साल से कम समय में करीब 30 लाख परिवारों को 'रूफटॉप सोलर' की सुविधा मिली। इसके अलावा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान योजना के तहत 21 लाख पंपों का सौरकरण किया गया है।

## निसान ने भारत में लॉन्च की ऑल-न्यू ग्रेवाइट, शुरुआती कीमत 5.65 लाख रुपये

एजेंसी

**नई दिल्ली।** जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने मंगलवार को भारत में अपनी नई कार 'ग्रेवाइट' लॉन्च की। इसकी शुरुआती कीमत 5.65 लाख रुपये से 8.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट भारतीय परिवारों की विविधता, व्यापकता एवं महत्वाकांक्षाओं से प्रेरित है। कंपनी 2026 में ब्रांड के पुनरुत्थान के लिए कई नए वहान पेश करने और बिक्री ढांचे को मजबूत करने की तैयारी में है।कंपनी फिलहाल देश में केवल एक मॉडल 'मैग्नाइट' बेचती है। सौरभ वत्स ने बताया कि कंपनी ने अपना दूसरा मॉडल सात सीट वाली कार 'ग्रैवाइट' पेश की है। 'ग्रैवाइट' की (एक्स शोरूम) कीमत 5.65 लाख रुपये से 8.49 लाख रुपये के बीच है। उन्होंने कहा कि करीब 12 महीनों के भीतर हम तीन नए वाहन पेश करने जा रहे हैं। इसलिए यह पुनरुत्थान का वर्ष होगा, जो मुख्य रूप से स्पोर्ट यूटिलिटी वाहनों पर आधारित उत्पाद श्रृंखला पर टिका होगा। वत्स ने बताया कि 'मैग्नाइट' देश में कंपनी के उत्पाद खंड में अहम भूमिका निभाती रहेगी। उन्?होंने कहा कि कंपनी की योजना वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक बिक्री केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 250 करने की है। फिलहाल देशभर में कंपनी के लगभग 160 डीलर हैं। वत्स ने कहा कि भविष्य में निर्यात हमारे बुनियादी एवं मजबूत स्तंभों में से एक बना रहेगा...वित्त वर्ष 2026-27 में हम भारत से एक लाख इकाई निर्यात का आंकड़ा पार कर जाएंगे। उन्होंने बताया कि 'ग्रैवाइट' के अलावा कंपनी इस वर्ष के दौरान एक 'टेकटन स्पोर्ट' यूटिलिटी वाहन और सात सीट वाले मध्यम श्रेणी का स्पोर्ट यूटिलिटी वाहन भी लाने की योजना बना रही है।

## प्रल्हाद जोशी ने इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में आईएसए पवेलियन का दौरा किया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भारत मंडपम के हॉल नंबर 14 में इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के पवेलियन का दौरा किया। इस दौरान जोशी ने ग्लोबल मिशन ऑन एआई फॉर एनर्जी को आगे बढ़ाने वाली प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारों की एक श्रृंखला की समीक्षा की। पवेलियन में ऐसे व्यावहारिक और स्केलेबल मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं, जो ये दर्शाते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल प्लेटफॉर्म और भू-स्थानिक उपकरण किस प्रकार उपयोगिताओं को आधुनिक बना सकते हैं। नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण को तेज कर सकते हैं और आईएसए सदस्य देशों में ऊर्जा सुदृढ़ता ला सकते हैं। जैसे-जैसे वितरित नवीकरणीय ऊर्जा तेजी से विस्?तारित हो रही है, फोकस केवल नई क्षमता जोड़ने से हटकर लाखों विकेंद्रीकृत संसाधनों को स्थिर और विश्वसनीय ग्रिड में समेकित करने की दिशा में परवर्तित हो रहा है। इसके लिए मजबूत ट्रांसमिशन अवसंरचना, आधुनिक वितरण नेटवर्क और



वास्तविक समय में निगरानी करने वाली प्रणालियों की आवश्यकता होती है। जोशी ने इस बात का उल्लेख किया कि ऊर्जा परिवर्तन के साथ-साथ ग्रिड परिवर्तन भी होना चाहिए, जिसमें डेटा-आधारित पूर्वानुमान और वास्तविक समय अनुकूलन से संचालित लचीले, डिजिटल और इंटेलिजेंट ग्रिड का निर्माण किया जाए। दिल्ली, राजस्थान और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य डिजिटलीकरण, स्मार्ट मीटरिंग और डिजिटल नियंत्रण प्रणालियों को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे ऊर्जा हानि कम हो रही है और नवीकरणीय ऊर्जा का उच्च स्तर शामिल करना संभव हो रहा है। ये अनुभव उन विकासशील देशों के लिए मूल्यवान सबक प्रदान करते हैं जो अपने बिजली क्षेत्र को आधुनिक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत की सौर क्षमता 2014 में 3 गीगावाट से भी कम थी, जो आज 141 गीगावाट से अधिक हो गई है, जिससे देश विश्व के सबसे तेजी से बढ़ते सौर बाजारों में शामिल हो गया है। सौर ऊर्जा अब भारत की विकास रणनीति और ऊर्जा सुरक्षा ढाँचे का प्रमुख हिस्सा बन गई है। इस यात्रा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सौर ऊर्जा को सर्वसुलभ बनाना रही है।

# मनोहर लाल ने एआई इंपैक्ट समिट में विद्युत मंत्रालय के मंडप का उद्घाटन किया

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इंपैक्ट समिट में विद्युत मंत्रालय के मंडप का उद्घाटन किया। मंडप में दिखाया गया है कि डिजिटल प्रौद्योगिकियां किस प्रकार उत्पादन, पारेषण और वितरण प्रणालियों को नया आकार दे रही हैं। विद्युत मंत्रालय के मुताबिक यह मंडप 'मेगावाट से मेगाबाइट तकः भारत के विद्युत इको-सिस्टम का रूपांतरण' विषय के तहत विद्युत क्षेत्र का एक दूरदर्शी दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। यह मंडप बुनियादी ढांचे की विश्वसनीयता को मजबूत करने, दक्षता में सुधार करने और विद्युत क्षेत्र में सतत विकास को समर्थन देने के लिए अत्याधुनिक एआई प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने पर मंत्रालय के ध्यानाकर्षण को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने एआई इंपैक्ट समिट में दिल्ली मेट्रो रेल निगम द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी दौरा किया। डीएमआरसी के प्रबंध



निदेशक डॉ. विकास कुमार ने उन्हें डीएमआरसी द्वारा एआई के क्षेत्र में की गई पहलों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डीएमआरसी के अधिकारियों ने बताया कि एआई की मदद से ग्राहकों की शिकायतों और यात्रियों से सम्बंधित समस्याओं का तेजी से समाधान संभव हो सकेगा। ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन (ओएचई), पैंटोग्राफ-ओएचई इंटरैक्शन, व्हील ग्राइंडिंग, रोलिंग स्टॉक सबसिस्टम और सिग्नलिंग की निगरानी सहित रखरखाव के क्षेत्र में एआई का उपयोग किया जा रहा है।

# अटल इनोवेशन मिशन ने अटल टिंकरिंग लैब के विद्यार्थियों के व्यावहारिक एआई नवाचार और विचार किए प्रदर्शित

एजेंसी

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडप में आयोजित इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 में अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) ने अटल टिंकरिंग लैब के विद्यार्थियों के व?यावहारिक एआई नवाचार और विचार प्रदर्शित किए। इसने दिखाया कि कैसे भारत की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यात्रा को जमीनी स्तर और पॉलिसी लेवल पर एक साथ आकार दिया जा रहा है।

नीति आयोग ने जारी बयान में बताया कि अटल इनोवेशन मिशन ने इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 में अहम भूमिका निभाई। नीति आयोग के तहत संचालित हो रहे अटल इनोवेशन मिशन ने इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए दर्शाया कि भारत की कृत्रिम बुद्धिमत्ता यात्रा जमीनी और नीतिगत स्तर पर एक साथ कैसे आकार ले रही है। मंत्रालय के मुताबिक इसमें मुख?य तौर पर एआई टिंकरप्रेन्योर का प्रदर्शन उल?लेखनीय रहा, जिसमें देशभर के अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) की 50 विद्यार्थियों की टीम ने स्वास्थ्य सेवा, कृषि, जलवायु परिवर्तन से निपटने, सेवा सुलभता, शिक्षा और सार्वजनिक सेवा वितरण जैसे क्षेत्रों में वास्तविक चुनौतियों के समाधान संबंधी एआई-आधारित नवाचार प्रस्तुत किए। इस प्रदर्शन से दिखा कि किस प्रकार विद्यालय स्तर पर एआई नवाचार भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ तेजी से जुड़ रहा है। अटल टिंकरिंग लैब नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के तहत स्कूलों के छठीं से बारहवीं कक्षा में स्थापित व्यवस्था है, ये प्रयोगशालाएं रोबोटिक्स, थ्रीडी प्रिंटर और 'डू-इट-योरसेल्फ' जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स किट द्वारा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित शिक्षा को व्यावहारिक रूप से सीखने में मदद करती हैं।

अटल इनोवेशन मिशन की प्रमुख पहल एआई टिंकरप्रेन्योर को इंटेल के सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य स्कूली छात्रों में एआई दक्षता, रचनात्मकता और उद्यमशीलता की सोच बढ़ाना है। यह कार्यक्रम युवा नवप्रवर्तकों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों की पहचान करने और एआई उपकरणों और पद्धतियों का इस?तेमाल कर मापनीय, प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। नीति आयोग ने बताया कि इस वर्ष एआई टिंकरप्रेन्योर में देशभर से 12 हजार से अधिक विद्यार्थियों की टीम ने भाग लिया। इनमें इंडिया एआई इंपैक?ट समिट 2026 में नवाचार प्रस्तुत करने के लिए देशभर से शीर्ष 50 टीमों का चयन कठोर बहु-स्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया द्वारा किया गया। शिखर सम्मेलन का विशेष आकर्षण 'एआई बाय हर' खंड रहा, जहां विभिन्न अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) की युवा महिला नवप्रवर्तकों ने एआई समाधान विकसित करने, बाधाएं पार करने और भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र में आत्मविश्वास से योगदान देने वाली महिला नवप्रवर्तकों के रूप में उभरने की अपनी यात्रा साझा कीं। उनके नवाचार में खाद्य सुरक्षा, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा और स्वदेशी नवाचार एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में 'वोकल फॉर लोकल' की भावना जैसी प्रमुख राष्ट्रीय प्राथमिकताएं प्रदर्शित हुईं। इन नवप्रवर्तकों की आवाज़ ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य को आकार देने में समावेशी भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया।

## सीतारमण ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री से की मुलाकात, ईएफटीए-टीईपीए समझौतों और सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

एजेंसी

**ओस्लो।** केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-ईएफटीए तथा टीईपीए समझौतों के क्रियान्वयन पर बातचीत की। दोनों देशों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि बैठक के दौरान उच्च तकनीक विनिर्माण, कार्बन कैप्चर और भंडारण, स्टार्टअप्स, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और वेस्ट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया गया। नॉर्वे के प्रधानमंत्री ने इस वर्ष प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नॉर्वे दौरे को लेकर उत्साह जताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इस यात्रा से भारत-नॉर्वे सहयोग को और मजबूती मिलेगी। इससे पहले निर्मला सीतारमण ने नॉर्वे के जाने-माने मुख?य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) और निवेशकों के साथ गोलमेज बैठक में हिस्सा लिया।

बैठक में भारत के राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) के सीईओ और सीआईआई के अध्यक्ष ने भी हिस्सा लिया।नॉर्वे में व्यापार और निवेश समुदाय के 35 से ज?यादा सीईओ और टॉप लेवल के पार्टिसिपेंट्स के साथ बातचीत करते हुए वित?त मंत्री सीतारमण ने कहा कि नॉर्वे के उनके ऑफिशियल दौरे में इंडिया को एक निवेश गंतव्य और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर दिलचस्प और सकारात?मक चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 भी नागरिकों और कंपनियों के लिए रेगुलेटरी और कम्प्लायंस का बोझ कम करने पर भारत सरकार के रिफॉर्म फोकस को दिखाता है।

# आईआईसीए ने नल्सार विधि विश्वविद्यालय के साथ पांच साल एमओयू बढ़ाया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय कॉरपोरेट मामलों के संस्थान (आईआईसीए) ने हैदराबाद के नल्सार विधि विश्वविद्यालय के साथ अपने समझौता ज्ञापन (एमओयू) को पांच वर्ष और बढ़ा दिया है।मंत्रालय ने कहा कि यह सहयोग संकाय और छात्रों के आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान और प्रकाशन, विशेषज्ञ सलाहकारी एवं परामर्श सेवाओं, तथा कार्यशालाओं, सेमिनारों और सम्मेलनों के आयोजन को भी सुगम बनाएगा। दोनों संस्थान आपसी सहयोग की भावना से संयुक्त प्रशिक्षण और अनुसंधान पहलों का सक्रिय रूप से पीछा करेंगे। इस सहयोग का एक प्रमुख हाइलाइट दिवालियापन एवं दिवाला विधियों में दो वर्षीय पूर्णकालिक आवासीय एलएलएम कार्यक्रम का सफल कार्यान्वयन रहा है। तीन बैचों में इस कार्यक्रम ने 138



छात्रों को प्रशिक्षित किया है और उद्योग हितधारकों द्वारा इसके शैक्षणिक कठोरता और व्यावहारिक प्रासंगिकता के लिए व्यापक रूप से सराहा गया है। कार्यक्रम का प्रथम वर्ष हैदराबाद के नल्सार विधि विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाता है, जबकि द्वितीय वर्ष नई दिल्ली के आईआईसीए में होता है, जो छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता और उद्योग एक्सपोजर का समृद्ध मिश्रण प्रदान करता है। इस एमओयू का नवीनीकरण आईआईसीए और नल्सार की साझा प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करता है, जो विधिक एवं कॉर्पोरेट शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने तथा क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का सामना करने में सक्षम कुशल पेशेवरों के विकास में योगदान देने के लिए है। समझौते पर आईआईसीए के महानिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्ञानेश्वर कुमार सिंह तथा नल्सार विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीकृष्ण देव राव ने औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए हैं। इस समारोह में प्रो. (डॉ.) निमुषकावी वसंथी, रजिस्ट्रार, नल्सार; प्रो. वी. केसव राव, नल्सार के कॉर्पोरेट एवं प्रतिस्पर्धा विधि केंद्र के निदेशक; डॉ. पायला नारायण राव, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईसीए सहित अन्य प्रतिष्ठित अतिथियों ने भाग लिया।

## शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद, सेंसेक्स 283 अंक उछला

एजेंसी

**नई दिल्ली।** मजबूत वैश्विक रुझान के बीच हफ्ते के तीसरे दिन शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्?सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 283.29 अंक यानी 0.34 फीसदी उछल कर 83,734.25 के स्?तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्?टॉक एक्?सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी 93.95 अंक यानी 0.37 फीसदी की बढ़कर 25,819.35 पर बंद हुआ।

कारोबार के अंत में बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर 471.89 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में 470.11 लाख करोड़ रुपये रहा था। इस तरह बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैप करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है, जिससे निवेशकों



की संपत्ति में लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 शेयरों में बढ़त रही। वहीं, निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 शेयरों में बढ़त रही। इसमें शामिल टाटा स्टील के शेयरों में 2.90 फीसदी की सबसे ज्यादा की तेजी रही। इसके अलावा आईटीसी, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 1.18 फीसदी से लेकर 2.21 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, आज कारोबार में मेटल, बैंकिंग और एफएमसीजी शेयर्स में बढ़त रही। वहीं, आईटी शेयर्स में गिरावट रही। उल?लेखनीय है कि एक दिन पहले मंगलवार को बीएसई का सेंसेक्स 173.81 अंक यानी 0.21 फीसदी उछल कर 83,450.96 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी 42.65 अंक यानी 0.17 फीसदी चढ़कर 25,725.40 के स्तर पर बंद हुआ था।

## इंडिगो ने एक्सिस बैंक के साथ पेश किये को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड

एजेंसी

**नई दिल्ली।** निजी विमानन सेवा कंपनी इंडिगो ने एक्सिस बैंक के साथ दो को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड पेश करने की घोषणा की है। दोनों कंपनियों की साझा प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इंडिगो एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड और इंडिगो एक्सिस बैंक प्रीमियम क्रेडिट कार्ड रुपे और वीजा नेटवर्क पर उपलब्ध हैं। ग्राहकों को इंडिगो के लॉयल्टी प्रोग्राम 'इंडिगो ब्लूचिप' का भी लाभ मिलेगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि ग्राहक रोजमर्रा की खरीदारी और यात्रा से संबंधित लेनदेन पर सुविधाजनक और बिना किसी झंझट के रिवॉर्ड प्वाइंट अर्जित कर सकेंगे। इंडिगो की उड़ानों के टिकट बुक कराने और संबंधित खर्चों पर अधिक रिवॉर्ड मिलते हैं। ग्राहकों को शुरुआती और नवीनीकरणीय लाभ, माइलस्टोन रिवॉर्ड्स तथा लाइफस्टाइल विशेषाधिकारों का एक व्यापक पैकेज भी मिलेगा जिसमें लाउंज एक्सेस, एंटरटेंमेंट के ऑफर, डाइनिंग पर छूट और कार्ड वेरिएंट के अनुसार विदेशी मुद्रा विनिमय में लाभ शामिल है। इंडिगो एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड की कीमत 799 रुपये रखी गयी है और यह खुदरा ग्राहकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है जबकि समृद्ध ग्राहकों को ध्यान में रखकर इंडिगो एक्सिस बैंक प्रीमियम क्रेडिट कार्ड की कीमत पांच हजार रुपये तय की गयी है।

# 2047 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में 26 ट्रिलियन डॉलर जोड़ेगा भारतः पीयूष गोयल

एजेंसी

**मुंबई।** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मुंबई में ग्लोबल इकोनॉमिक को-ऑपरेशन (जीईसी) 2026 कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में आर्थिक कूटनीति को लेकर भारत के रुख को सामने रखा और वैश्विक व्यापार एवं निवेश के क्षेत्र में भरोसेमंद एवं जरूरी सहयोगी के रूप में भारत के उभार पर चर्चा की। फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम (यूके), संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, सेशेल्स, श्रीलंका, सिंगापुर समेत प्रमुख बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के वरिष्ठ मंत्रियों एवं कारोबारी प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाते हुए वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण समय में जीईसी 2026 की शुरुआत हुई है। बदलते व्यापारिक परिदृश्य और तेजी से बहुध्रुवीय होती दुनिया में इस फोरम का उद्देश्य एक मजबूत, समावेशी और भविष्य के लिए सजग आर्थिक गठजोड़ के लिए व्यावहारिक रूपरेखा तैयार करना है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अपने मंत्री स्तरीय मुख्य संबोधन में भारत की रणनीति पर बात करते हुए कहा, 'अभी से लेकर 2047 तक भारत अपनी अर्थव्यवस्था में 26 ट्रिलियन डॉलर और जोड़ेगा। यह विकास की ऐसी तस्वीर है, जो इतिहास में बेमिसाल है और दुनिया में कहीं और ऐसा विकास दिखने की उम्मीद कम है। आर्थिक अलगाव का दौर खत्म हो गया है, इसीलिए हम अलायंस बना रहे हैं, दोस्ती गहरी कर रहे हैं और मजबूती के साथ व्यापार समझौते कर रहे हैं। चार साल में नौ समझौते हुए हैं। आगे और भी समझौते आएंगे। हर बातचीत में राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखा जाता है और किसानों, उद्यमियों, एमएसएमई, महिलाओं और उद्योगों के लिए अवसर सृजित करना तथा संवेदनशील सेक्टर्स को सुरक्षित रखना बातचीत के केंद्र में रहता है। '

उन्होंने आगे कहा, 'मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हमारी तरफ से भारत के भविष्य का साझेदार बनने का न्योता है। यह एक ऐसे सफर का हिस्सा बनने का मौका है, जो भारत को दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था से 2027-28 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना देगा और 2047 तक 30 से 35 ट्रिलियन डॉलर वाली विकसित अर्थव्यवस्था में बदल देगा। दुनिया विकास की इस कहानी का हिस्सा बनना चाहती है। खुलेपन के साथ भरोसेमंद और कदम बढ़ाता हुआ भारत हर उस साझेदार का स्वागत करने के लिए तत्पर है, जो गंभीरता के साथ हमसे जुड़ना चाहता है। '

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर फ्यूचर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन काउंसिल (एफईसीसी) द्वारा आयोजित जीईसी 2026 में दुनियाभर के वरिष्ठ मंत्रियों और व्यापार प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाया गया है। इसका उद्देश्य मजबूत एवं भविष्य के लिए सजग आर्थिक गठजोड़ को आकार देने के लिए व्यावहारिक रूपरेखा तैयार करना है। इस फोरम का नेतृत्व विजय चौथाईवाले और एफईसीसी की डायरेक्टर प्रियम गांधी-मोदी द्वारा किया जा रहा है। फोरम को एक एडवाइजरी काउंसिल गाइड कर रही है, जिसमें आनंद महिंद्रा, चेयरमैन, महिंद्रा ग्रुप; बाबा कल्याणी, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, भारत फोर्ज लिमिटेड; सिरिल श्रॉफ, मैनेजिंग पार्टनर, सिरिल अमरचंद मंगलदास; और आदिल जैनुलभाई, चेयरमैन, नेटवर्क18 ग्रुप जैसी भारतीय उद्योग जगत की बड़ी हस्तियां शामिल हैं। भारत ने इस समय 38 विकसित देशों के साथ 16 एफटीए और 6 पीटीए को अंजाम दिया है।

## डिएगो गार्सिया सैन्य अड्डे के महत्व पर जोर देने के लिए अमेरिका मॉरीशस वार्ता

एजेंसी

**वाशिंगटन।** अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि अमेरिका चागोस द्वीप समूह पर स्थित डिएगो गार्सिया सैन्य अड्डे के महत्व को रेखांकित करने के लिए वह मॉरीशस के साथ बातचीत करेगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा, 'अमेरिका और मॉरीशस 23-25 फरवरी तक पोर्ट लुई में विचार-विमर्श करेंगे। इसका नेतृत्व विदेश विभाग का राजनीतिक-सैन्य मामलों का ब्यूरो करेगा और इसमें विभिन्न अमेरिकी अंतर-एजेंसी प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह चर्चा हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चागोस द्वीप समूह और डिएगो गार्सिया पर स्थित अमेरिका-ब्रिटेन सैन्य अड्डे के निरंतर महत्व पर केंद्रित होगी।' इस वार्ता का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग के साथ-साथ सैन्य अड्डे के संचालन को सुनिश्चित करने की व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करना होगा। बयान में आगे कहा गया, 'अमेरिका चागोस द्वीप समूह के संबंध में मॉरीशस के साथ अपने समझौते को आगे बढ़ाने के ब्रिटेन के निर्णय का समर्थन करता है। अमेरिका अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ हिंद महासागर में सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए चागोस द्वीप समूह में सैन्य अड्डे और अन्य सुविधाओं के निरंतर उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए ब्रिटेन के साथ एक द्विपक्षीय समझौता करने की अपनी इच्छा दोहराता है।' उल्लेखनीय है कि 3 अक्टूबर, 2024 को ब्रिटेन ने चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने पर अस्थाई रूप से सहमति व्यक्त की थी।

## खुद की गाड़ी में ही चलेंगे प्रधानमंत्री रहमान, अपने पैसों से भरवायेंगे पेट्रोल

**ढाका।** बंगलादेश के नवनियुक्त प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने सादगी और जन-सुविधा की मिसाल पेश करते हुए सरकारी वाहन के बजाय अपने निजी वाहन का उपयोग करने का अनोखा फैसला लिया है। उनकी पार्टी बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की मीडिया सेल के सदस्य अतीकुर रहमान रुमोन ने यह जानकारी दी। स्थानीय मीडिया ढाका ट्रिब्यून के अनुसार श्री रुमोन ने बताया कि प्रधानमंत्री अपनी निजी टोयोटा कार, निजी ड्राइवर और अपने खर्च पर खरीदे गए ईंधन का उपयोग करेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री के लिए आवंटित किसी भी आधिकारिक सरकारी वाहन का उपयोग न करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री ने अपने इसी वाहन से सावर और शेर-ए-बांग्ला नगर का दौरा किया और बाद में सचिवालय पहुंचे। आम जनता को होने वाली असुविधा और यातायात की भीड़ को ध्यान में रखते हुए, प्रधानमंत्री ने अपने काफिले में वाहनों की संख्या को भी सीमित करने का आदेश दिया है। श्री रुमोन ने बताया, 'पहले प्रधानमंत्री के काफिले में 13 या 14 वाहन होते थे, लेकिन आज इसे घटाकर केवल चार कर दिया गया है।'

## बोर्ड ऑफ पीस की बैठक से पहले सुरक्षा परिषद की मीटिंग, वेस्ट बैंक पर कब्जे को लेकर इस्राइल रहा निशाने पर

**संयुक्त राष्ट्र।** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों की बैठक हुई। इस बैठक में गाजा संघर्ष विराम समझौते को स्थायी बनाने की मांग की गई और साथ ही इस्राइल के वेस्ट बैंक में कब्जे की योजना की कड़ी आलोचना की गई। सुरक्षा परिषद ने इस्राइल की योजना को टू स्टेट सॉल्यूशन की संभावनाओं के लिए खतरा बताया। गौरतलब है कि सुरक्षा परिषद की बैठक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा गठित बोर्ड ऑफ पीस की बैठक से एक दिन पहले हुई। न्यूयॉर्क में सुरक्षा परिषद का उच्च स्तरीय सत्र पहले गुरुवार को होना था, लेकिन बोर्ड ऑफ पीस की बैठक को देखते हुए इसे एक दिन पहले ही आयोजित किया गया। 15 सदस्यों वाली सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान अकेला ऐसा देश है, जिसने बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का न्योता भी स्वीकार किया। सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान इस्राइल ने विवादित वेस्ट बैंक में इस्राइल द्वारा जमीन कब्जाने की कथित कोशिश की कड़ी आलोचना की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा, 'वेस्ट बैंक पर अपना नियंत्रण बढ़ाने के इस्राइल के हालिया गैर-कानूनी फैसले बहुत परेशान करने वाले हैं।'

## न्यूयॉर्क में फिर शुरू होगी बेघर लोगों के कैंप हटाने की कार्रवाई

**न्यूयॉर्क सिटी।** न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने एलान किया है कि शहर में सड़क किनारे और पार्कों में बने अस्थायी बेघर कैंप (टेंट बस्ती) फिर से हटाए जाएंगे। लेकिन इस बार उनका कहना है कि तरीका पहले से अलग और ज्यादा मानवीय (इंसानियत भरा) होगा। बता दें कि, मेयर बनने के कुछ ही दिनों बाद जोहरान ममदानी ने पुराने मेयर एरिक एडम्स की कैंप हटाने वाली नीति रोक दी थी। उनका मानना था कि सिर्फ कैंप हटाने से समस्या हल नहीं होगी, लोगों को घर और सही मदद मिलनी चाहिए। हाल ही में न्यूयॉर्क में कड़ाके की ठंड पड़ी, जिसमें कम से कम 19 लोगों की बाहर ठंड से मौत हो गई। हालांकि यह साफ नहीं है कि ये लोग कैंप में रह रहे थे या नहीं, लेकिन इस घटना के बाद शहर की नीतियों पर सवाल उठने लगे। मेयर ममदानी के अनुसार- पहले कैंप हटाने का नोटिस लगाया जाएगा। एक हफ्ते तक रोज बेघर सेवा विभाग के कर्मचारी वहां जाकर लोगों को समझाएंगे।

# देश के नाम अपने पहले संबोधन में पीएम तारिक रहमान ने शांति, न्याय और समानता का किया वादा

एजेंसी

**ढाका।** बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने पद संभालने के बाद राष्ट्र के नाम अपने पहले टीवी संबोधन में शांति, कानून का राज और सभी नागरिकों के लिए समान अधिकारों को अपनी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार हर नागरिक को बराबरी का दर्जा देगी, चाहे उसने किसी भी दल को वोट दिया हो या न दिया हो।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सभी का है और शासन किसी राजनीतिक दबाव के बजाय कानून के मुताबिक चलेगा। उनके अनुसार कानून व्यवस्था सुधारना और भ्रष्टाचार पर सख्त नियंत्रण स्थापित करना जरूरी है ताकि लोगों के मन में सुरक्षा और भरोसा लौटे।

**कानून व्यवस्था और सामाजिक चुनौतियां**

तारिक रहमान ने जुआ और मादक पदार्थों को अव्यवस्था के प्रमुख कारण बताते हुए इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक और निजी संस्थान स्थापित कानूनों के तहत काम करेंगे और 'रूल ऑफ लॉ' ही अंतिम प्राधिकार होगा।

रमजान की शुरुआत के मौके पर उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि इस महीने को मुनाफाखोरी का जरिया न बनाया जाए और जरूरी सामान किफायती दामों पर उपलब्ध कराए जाएं। सरकार ने बाजार में कृत्रिम कमी या सिंडिकेट पर कार्रवाई का संकेत दिया है। साथ ही इफ्तार, तरावीह और सेहरी के समय गैस, बिजली और पानी की निर्बाध आपूर्ति के निर्देश भी दिए गए। उदाहरण पेश करते हुए उन्होंने कहा कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पारीट (बीएनपी) के सांसद टैक्स-फ्री गाड़ियां आयात नहीं करेंगे और न ही विशेष भूखंड लाभ लेंगे।

**बुनियादी ढांचा और रोजगार**

शहरी भीड़ कम करने के लिए रेल कनेक्टिविटी बढ़ाने और परिवहन ढांचे को सुलभ व सुरक्षित बनाने की योजना का भी ऐलान किया गया। उन्होंने युवाओं को कौशल और ज्ञान से लैस कर वैश्विक बाजार के लिए तैयार करने पर जोर दिया, खासकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में। सरकार ने छात्रों और युवाओं को रोजगार व कौशल विकास में हर संभव सहयोग देने का वादा किया।

अपने संबोधन में उन्होंने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की बहाली जनता की इच्छा से संभव हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुस्लिम, हिंदू, बौद्ध, ईसाई–मैदानों और पहाड़ों में रहने वाले सभी लोग बराबर के नागरिक हैं।

## जिनेवा वार्ता बेनतीजा: रूस-यूक्रेन शांति बातचीत में नहीं निकला ठोस हल

एजेंसी

**जिनेवा।** जिनेवा में अमेरिका की मध्यस्थता से हुई रूस-यूक्रेन शांति वार्ता का ताजा दौर बिना किसी बड़े नतीजे के खत्म हो गया। दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष अगले सप्ताह अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश करने वाला है, ऐसे में इस वार्ता से उम्मीदें थीं, लेकिन प्रगति सीमित रही।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने जेनेवा में बातचीत के बाद कहा कि सबसे जटिल मुद्दों पर कोई सहमति नहीं बन सकी। उनके मुताबिक कुछ प्रारंभिक आधार जरूर तैयार हुआ है, लेकिन दोनों पक्षों की स्थितियां अभी अलग-अलग हैं और बातचीत 'आसान नहीं' रही। जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस प्रक्रिया को लंबा खींचने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्वी यूक्रेन के रूसी कब्जे वाले इलाकों की स्थिति और जापोरिजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र का भविष्य सबसे विवादित मुद्दों में शामिल हैं। यह परमाणु संयंत्र फिलहाल मॉस्को के नियंत्रण में है।वार्ता का दूसरा दिन महज दो घंटे में समाप्त हो गया, जिसे सीमित प्रगति का संकेत माना जा रहा है। इससे यह भी साफ हुआ कि किसी व्यापक समझौते तक पहुंचना अभी दूर की बात है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले दावा कर चुके हैं कि वे सत्ता में आते ही पहले दिन युद्ध खत्म कराने की कोशिश करेंगे। हालांकि जमीनी हालात और कूटनीतिक मतभेद फिलहाल समाधान को जटिल बनाए हुए हैं। विश्लेषकों का मानना है कि जब तक क्षेत्रीय नियंत्रण, सुरक्षा गारंटी और परमाणु सुविधाओं जैसे मुद्दों पर स्पष्ट सहमति नहीं बनती, तब तक किसी निर्णायक शांति समझौते की संभावना कम ही रहेगी।

# कैलिफोर्निया हिमस्खलन में नौ स्कीयर लापता, छह को बचाया गया

एजेंसी

**ट्रकी (कैलिफोर्निया)।** अमेरिका के सिएरा नेवादा पर्वतीय क्षेत्र में भीषण हिमस्खलन के बाद नौ स्कीयर अब भी लापता हैं, जबकि छह लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। बचाए गए लोगों में से दो को चोटों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेवादा काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, यह हादसा मसुबह करीब 11:30 बजे केसल पीक इलाके में हुआ, जो ट्रकी शहर से लगभग 10 मील उत्तर और ताहो झील के पास स्थित है। हिमस्खलन ने बैककंट्री स्कीयरों के एक समूह को अपनी चपेट में ले लिया।

अधिकारियों ने बताया कि कुछ जीवित बचे स्कीयरों ने तिरपाल आदि की मदद से अस्थायी शरण बनाकर खुद को सुरक्षित रखा और रेडियो बीकन व टेक्स्ट संदेशों के जरिए बचाव दल से संपर्क किया। मौसम खराब होने और नए हिमस्खलन के खतरे के कारण रेस्क्यू अभियान धीमी गति से चल रहा है।

सिएरा हिमस्खलन केंद्र ने क्षेत्र में 'उच्च हिमस्खलन खतरे' की चेतावनी जारी रखी है। हालिया सर्दी तूफ़ान के

चलते ऊँचाई वाले इलाकों में कई फीट ताजी और अस्थिर बर्फ जमी है। यह स्की टूर ब्लैकबर्ड माउंटेन गाइड्स द्वारा आयोजित किया गया था। कंपनी के मुताबिक समूह तीन दिन की यात्रा से लौट रहा था, तभी हादसा हुआ। दल फ्रॉग लेक बैककंट्री हट्स में ठहरा हुआ था, जो डोनर समिट के पास लगभग 7,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह इलाका पश्चिमी गोलार्ध के सबसे अधिक हिमपात वाले क्षेत्रों में गिना जाता है। राज्य के गवर्नर गेविन न्यूसोम के कार्यालय ने बताया है कि राज्य और स्थानीय एजेंसियां मिलकर व्यापक खोज और बचाव अभियान चला रही हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में हर सर्दियों में हिमस्खलन से औसतन 27 लोगों की मौत होती है, यह आंकड़ा कोलोराडो हिमस्खलन सूचना केंद्र के आंकड़ों पर आधारित है। इस सीजन में अब तक छह मौतें दर्ज की जा चुकी हैं।

# पैरालंपिक में रूस-बेलारूस के झंडों को मंजूरी पर यूक्रेन नाराज, अधिकारियों के बहिष्कार का ऐलान

एजेंसी

**मिलान।** यूक्रेन ने 2026 के शीतकालीन पैरालंपिक में रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को उनके राष्ट्रीय झंडों के साथ प्रतिस्पर्धा की अनुमति देने के फैसले पर कड़ा विरोध जताया है। यूक्रेनी सरकार ने घोषणा की है कि उसके अधिकारी 2026 शीतकालीन पैरालिम्पिक्स में शामिल नहीं होंगे। यह कदम अंतरराष्ट्रीय पैरालिम्पिक्स कमिटी (आईपीसी) के हालिया निर्णय के विरोध में उठाया गया है। यूक्रेन के खेल मंत्री मात्वी बिडनी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि रूसी और बेलारूसी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतीकों के साथ भाग लेने देना 'अस्वीकार्य' है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूक्रेनी अधिकारी न सिर्फ खेलों से दूर रहेंगे, बल्कि आईपीसी से जुड़े अन्य आयोजनों का भी बहिष्कार करेंगे। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भी इस रुख का समर्थन करते हुए कहा कि जब तक रूस का यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी है, तब तक 'आक्रामक देशों के झंडों को खेलों में जगह देना नैतिक और राजनीतिक रूप से गलत' है।

यूरोपीय संघ की ओर से भी समर्थन देखने को मिला। खेल, संस्कृति और युवा मामलों के यूरोपीय आयुक्त ग्लेन मिकालेफ ने आईपीसी के फैसले को अस्वीकार्य बताते हुए उद्घाटन समारोह में शामिल न होने की बात कही। हालांकि उन्होंने खिलाड़ियों के प्रति सम्मान जताते हुए कहा कि उनका विरोध सिद्धांतों के आधार पर है, खिलाड़ियों के खिलाफ नहीं। गौरतलब है कि यह पहला मौका होगा जब रूस का झंडा पैरालंपिक में दिखाई देगा, क्योंकि इससे पहले उसे 2014 शीतकालीन पैरालिम्पिक्स के बाद प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा था। वहीं बेलारूस और रूस के खिलाड़ी ओलंपिक में अब भी तटस्थ ध्वज के तहत भाग लेते रहे हैं। यूक्रेन ने संकेत दिया है कि वह अपने विरोध को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी रखेगा और समान विचार वाले देशों से समर्थन की अपील करेगा।

# नेपाल-भारत के बीच पारस्परिक कानूनी सहायता संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर

**काठमांडू।** नेपाल और भारत के बीच आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता से संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। पहली बार हुए इस समझौते से सीमापार अपराधों की संयुक्त जांच से लेकर एक-दूसरे देश से साक्ष्यों के आदान-प्रदान का मार्ग खुलेगा। यह समझौता कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला मंत्रालय में हुआ। इस समझौते पर नेपाल की ओर से कानून मंत्रालय के सह सचिव विनोदकुमार भट्टराई और भारत की ओर से नेपाल के लिए भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कानून मंत्री अनिलकुमार सिन्हा, कानून सचिव पाराश्वर ढुंगाना, विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि तथा भारतीय दूतावास के कर्मचारी उपस्थित रहे। कानून मंत्रालय के सचिव ढुंगाना के अनुसार, लंबे समय से भारत के साथ ऐसे समझौते पर चर्चा चल रही थी। अब इसे अंतिम रूप दिया गया है। उन्होंने कहा, 'आपराधिक मामलों में

दोनों देशों के बीच पारस्परिक कानूनी सहायता के आदान-प्रदान के उद्देश्य से यह समझौता किया गया है। इस समझौते को पिछले वर्ष 17 अक्टूबर को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक से स्वीकृति मिली थी। ढुंगाना ने बताया कि इसमें साक्ष्यों के आदान-प्रदान के साथ-साथ सीमा-पार अपराधों की संयुक्त जांच का भी प्रावधान है। उन्होंने कहा, 'ट्रांसनेशनल अपराधों में संयुक्त रूप से जांच करने की व्यवस्था भी की गई है। अपराध नियंत्रण में यह समझौता दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।' संवैधानिक प्रावधान के अनुसार, संसद को जानकारी दिए जाने के बाद ऐसे समझौते लागू होते हैं। सचिव ढुंगाना के अनुसार, यह समझौता नेपाल में होने वाले वित्तीय अपराधों को कम करने तथा जांच, अभियोजन और न्यायिक निर्णय को अधिक प्रभावी बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि हाल के समय में बढ़े संगठित अपराध, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी गतिविधियों में वित्तीय निवेश के नियंत्रण तथा पारस्परिक मूल्यांकन में भी इससे सकारात्मक सहयोग मिलेगा। समझौते के अनुसार, किसी अपराध से जुड़े मामलों में यदि किसी व्यक्ति को उपस्थित कराना संभव न हो, तो साक्ष्य, शपथपत्र और बयान दर्ज कराना, प्रमाण जुटाना, नोटिस तामील कराना तथा जांच के लिए अन्य सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जाएगा।

## नेपाल में आयोग ने चुनाव पूर्व सर्वेक्षण और भविष्यवाणी पर रोक लगाई

एजेंसी

**काठमांडू।** नेपाल के निर्वाचन आयोग ने सभी मीडिया हाउस और सर्वे एजेंसियों के चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों और चुनावी परिणाम की भविष्यवाणी के प्रकाशन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। निर्वाचन आयोग के कार्यवाहक प्रमुख निर्वाचन आयुक्त राम प्रसाद भंडारी ने आज सुबह बयान जारी कर कहा कि आयोग के तरफ से सभी मीडिया और सर्वे एजेंसियों को किसी भी प्रकार के चुनावी सर्वेक्षण और चुनाव परिणाम की भविष्यवाणी के प्रकाशन और प्रसारण पर पूर्ण रूप से रोक लगाने का निर्देश जारी किया है। आयोग ने कहा कि मतदान से पहले जीत-हार के अनुमान और जनमत सर्वेक्षण के नतीजे प्रकाशित करने जैसी गतिविधियां चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। भंडारी ने व्यक्तियों और मीडिया संस्थानों से यह भी अपील की कि वे सोशल मीडिया पर एआई और अन्य डिजिटल उपकरणों से तैयार भ्रामक सामग्री का निर्माण या प्रसार न करें। चुनाव की निष्पक्षता की रक्षा और मतदाताओं के गुप्त मतदान के अधिकार को साझा संवैधानिक दायित्व बताते हुए भंडारी ने पांच मार्च को निर्धारित चुनाव के सफल आयोजन के लिए सभी से सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया।

# बुल्गारिया में 19 अप्रैल को होंगे मध्यावधि चुनाव: राष्ट्रपति

एजेंसी

**सोफिया** बुल्गारिया की राष्ट्रपति इलियाना इओतोवा ने घोषणा की, कि देश में मध्यावधि संसदीय चुनाव आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मनोनीत कार्यवाहक प्रधानमंत्री आंद्रेई गुरोव ने कार्यवाहक सरकार की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव दिया है, जिसके पर वह एक आधिकारिक आदेश जारी करेंगी। उन्होंने यह बयान तब दिया, जब टेलीविजन पर सीधे प्रसारित एक बैठक के दौरान श्री गुरोव ने उन्हें कार्यवाहक सरकार की सूची सौंपी।

सुश्री इओतोवा ने श्री गुरोव से कहा, 'मैं आपके आधिकारिक मंत्रिमंडल की नियुक्ति का आदेश जारी करूंगी और नेशनल असेंबली

के समक्ष आपके शपथ ग्रहण की प्रतीक्षा करूंगी। साथ ही, 19 अप्रैल, 2026 को संसदीय चुनाव कराने के लिए भी आधिकारिक आदेश जारी करूंगी। उन्होंने जोर देकर कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण कार्य देश के कानूनों के अनुसार निष्पक्ष संसदीय चुनाव संपन्न कराना है।' उन्होंने ऊर्जा प्रणाली से जुड़े जोखिमों, बढ़ती वस्तुओं की कीमतों से निपटने और यूरोप में राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने को भी अन्य प्रमुख कार्यों में शामिल बताया। प्रधानमंत्री रोसेन जेलीयाज़कोव के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के दिसंबर 2025 में इस्तीफा दिए जाने और संसदीय दलों के नई सरकार चुनने में विफल रहने के बाद, सुश्री इओतोवा ने पिछले सप्ताह श्री गुरोव को कार्यवाहक प्रधानमंत्री मनोनीत किया था और उन्हें मंत्रिमंडल का प्रस्ताव देने के लिए कहा था।

देश के संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति कार्यवाहक प्रधानमंत्री के प्रस्ताव पर कार्यवाहक मंत्रिमंडल नियुक्त करने और दो महीने के भीतर नए चुनाव कराने के लिए बाध्य है।

श्री गुरोव (50) वर्तमान में बुल्गारियाई नेशनल बैंक के उप गवर्नर के रूप में कार्यरत हैं। वह पहले बुल्गारियाई संसद के सदस्य और बुल्गारिया के अमेरिकी विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर रह चुके हैं, जहां वे कॉर्पोरेट वित्त, जोखिम प्रबंधन और निवेश प्रबंधन के विशेषज्ञ थे।

# रूस और क्यूबा ने अमेरिका की 'ऊर्जा नाकेबंदी' पर कड़ी आपत्ति जताई

एजेंसी

**मास्को।** रूस और क्यूबा ने संयुक्त रूप से अमेरिका की क्यूबा के खिलाफ बढ़ती 'ऊर्जा नाकेबंदी' की कड़ी आलोचना की और इसे अवैध, अमानवीय और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा करार दिया। यह प्रतिक्रिया तब आई जब क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज ने ऊर्जा संकट से जूझ रहे अपने देश के हितों के लिए रूस की राजनीतिक व संभावित आर्थिक सहायता की तलाश में मास्को का दौरा किया।

ब्रूनो रोड्रिगेज ने रूस के सबसे बड़े राजनयिक सेर्गेई लावरोव से बातचीत की। लावरोव ने अमेरिका से अपील करते हुए कहा कि वह क्यूबा के प्रति 'समझ और जिम्मेदारी' दिखाए और समुद्री-सैन्य नाकेबंदी की योजनाओं से बाज रहे, जिसे उन्होंने 'स्वतंत्रता के द्वीप' पर

एक अवैध कदम बताया।लावरोव ने यह भी कहा कि 70 से अधिक वर्षों से चली आ रही अमेरिकी नीतियां क्यूबा के आर्थिक संकट को और गंभीर बना रही हैं और दुनिया भर की कई सरकारों को चिंतित कर रही हैं। उन्होंने रूस की क्यूबा के 'भाईचारे और समर्थन' को दोहराया, लेकिन किसी ठोस ईंधन आपूर्ति का वादा फिलहाल सार्वजनिक रूप से नहीं किया। फ्यूल संकट की जड़ इस बात में है कि अमेरिका ने वेनेजुएला से क्यूबा के लिए तेल की प्रमुख आपूर्ति को रोक दिया है और अन्य देशों को भी तेल निर्यात में दिक्कतों का सामना करना पड़ा रहा है। इसमें क्यूबा के लिए खासकर ऊर्जा संकट और ब्लैक-आउट जैसी दिक्कतें आ सकती हैं। क्यूबा ने कहा है कि यह दबाव उसके राजनीतिक पथ को नहीं बदलेगा और वह अपनी स्वतंत्र नीति पर कायम रहेगा। मास्को और हवाना के बीच दशकों पुराने सहयोग को जारी रखने की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

## अमेरिका के साथ दूसरे दौर की बातचीत बेहतर, रचनात्मक : अराघची

एजेंसी

**काहिरा।** अमेरिका के साथ हुई दूसरे दौर की अप्रत्यक्ष वार्ता के बाद ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए कहा कि यह बातचीत ओमान की राजधानी मस्कट में हुई पहले दौर की वार्ता से बेहतर और ज्यादा

'रचनात्मक' थी। श्री अराघची ने मंगलवार को सरकारी प्रसारक इरिब (इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टर) के साथ विशेष बातचीत में कहा कि दिशा देने वाले सिद्धांतों पर दोनों पक्षों के बीच आम सहमति बन गयी है और जल्द ही एक संभावित समझौते का मसौदा तैयार करने की दिशा में बढ़ेंगे। ओमान की मध्यस्थता में स्विट्ज़रलैंड की राजधानी जिनेवा में ओमानी दूतावास में हुई इस बैठक के बाद उन्होंने कहा कि एक बार मसौदा तैयार होने पर दोनों पक्ष तीसरे दौर की बातचीत के लिए तारीख निर्धारित करेंगे। श्री अराघची ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच की खाई पाटने में समय लगेगा।

# शांति वार्ता के बीच रूस ने कीव पर दागे 29 मिसाइलें, 400 ड्रोन

एजेंसी

**कीव।** स्विटजरलैंड की राजधानी जिनेवा में नये सिरे से शुरू हुई शांति वार्ता के पहले ही दिन रूस ने ताकत का प्रदर्शन करते हुए यूक्रेन के 12 क्षेत्रों में 29 मिसाइलें और लगभग 400 ड्रोन दागे, जिससे कई नागरिक घायल हुए और ऊर्जा एवं नागरिक अवसंरचना को भारी नुकसान पहुंचा। यूक्रेन ने इसे ऊर्जा तथा नागरिक ढांचे पर किया गया समन्वित हमला बताया है, जिससे कूटनीतिक प्रयासों की नाजुक स्थिति उजागर होती है। बातचीत के पहले दिन के बाद, रूसी मीडिया ने मंगलवार को एक अनजान सूत्र के हवाले से बताया कि बातचीत 'तनावपूर्ण' थी और छह घंटे तक चली। बातचीत आखिरी दिन तक जारी रहेगी।

यूक्रेन के मुख्य वार्ताकार रुस्तेम उमेरोव ने कहा कि बातचीत 'व्यावहारिक मुद्दों और संभावित समाधानों की कार्यप्रणाली' पर केंद्रित रही। उन्होंने वार्ता से पहले किसी बड़े घटनाक्रम की उम्मीदों को कमतर बताते हुए कहा था कि यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल जिनेवा वार्ता में 'अत्यधिक अपेक्षाओं के बिना' पहुंचा है। रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सलाहकार

व्लादिमीर मेडिन्स्की कर रहे हैं। रूसी मीडिया के मुताबिक पहले दिन की बातचीत छह घंटे चली और माहौल 'तनावपूर्ण' रहा। वार्ता का अंतिम सत्र होना है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह मॉस्को की 'वास्तविक मंशा' को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि रूस के नवीनतम हमलों में बच्चों सहित नौ लोग घायल हुए हैं। श्री ज़ेलेंस्की के अनुसार यूक्रेनी वायु रक्षा प्रणाली ने रूस द्वारा दागी गयी 29 में से 25 मिसाइलों को मार गिराया।

श्री ज़ेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर साझा वीडियो संदेश में कहा, ' जिस दिन जिनेवा में त्रिपक्षीय और द्विपक्षीय नये प्रारूप शुरू हुए, उसी दिन रूस ने हमले किये। लगभग 400 ड्रोन भी छोड़े गये। यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि रूस वास्तव में क्या चाहता है।' उन्होंने कहा कि यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल अमेरिका के साथ चर्चा में इन हमलों का मुद्दा जरूर उठाएगा। उन्होंने कहा, ' यूक्रेन युद्ध नहीं चाहता। हम अपने राज्य और स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं और हम न्यायपूर्ण समझौते की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।' इस बीच ज़ेलेंस्की ने बताया कि ओडेसा में हमलों के बाद हजारों लोग पानी और हीटिंग से वंचित हो गये हैं तथा करीब 10 आवासीय इमारतों और रेलवे अवसंरचनाओं को नुकसान पहुंचा है। कुल मिलाकर 12 क्षेत्रों को निशाना बनाया गया। जिनेवा वार्ता अमेरिका के नेतृत्व में चल रहे व्यापक कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य फरवरी 2022 से जारी संघर्ष का समाधान निकालना है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों पक्षों पर युद्ध समाप्त करने के लिए समझौते का दबाव बना रहे हैं, जबकि श्री ज़ेलेंस्की का कहना है कि कीव पर असमान रूप से रियायतें देने का दबाव डाला जा रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि स्थायी और न्यायपूर्ण शांति के लिए रूस पर अंतरराष्ट्रीय दबाव, प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करना और यूक्रेन की वायु रक्षा एवं सैन्य सहायता को मजबूत करना आवश्यक है।

page 1 and 8 Feb 20_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/19/2026 11:43 PM Page 2



# फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती

पहाड़ी क्षेत्रों में फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की बुआई खरीफ में एवं निचले स्थान तथा तराई क्षेत्र में बसन्त ऋतु में की जाती है । यह उत्तर पूर्वी क्षेत्रों एवं महाराष्ट्र के पहाड़ी क्षेत्रों में रबी में ली जाती है। यह फसल पाला एवं जल भराव के प्रति अधिक संवेदनशील है। फसल की वृद्धि के लिए 10 से 2। डिग्री सेंटीग्रेट अनुकूल तापमान है। 30 डिग्री सेंटीग्रेट से ज्यादा तापमान होने पर फूलों के झड़ने की अधिक समस्या पाई गई है। 5 डिग्री सेंटीग्रेट तापमान से कम होने पर फूलों एवं फलियों तथा शाखाओं में क्षति होती है।

## ⏩ भूमि का चुनाव

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती के लिए गहरे-हल्के गठन वाली बलुई दोमट से बुलई चिकनी मृदायें उपयुक्त रहती हैं। अधिक जल धारण क्षमता वाली मृदा जिसका पीएचपी मान 6.5 से ।.5 उत्तम रहती है। लवणीय तथा क्षारीय मृदायें अनुपयुक्त रहती हैं। निष्कर्ष यह निकलता है, की फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती हल्की दोमट मिट्टी से लेकर भारी चिकनी मिट्टी तक में की जा सकती है।

## ⏩खेत की तैयारी

प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा 2 से 3 जुताईयाँ देशी हल या कल्टीवेटर से करने के पश्चात् पाटा चलाकर खेत समतल कर लेना चाहिए। दीमक से फसल सुरक्षा हेतु क्लोरपायरीफास 1.2 प्रतिशत 20 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से अंतिम जुताई के समय मिट्टी में मिलाना चाहिए और खेत में जल निकास की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए एवं खेत खरपतवार मुक्त होना चाहिए।

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती सब्जी एवं दाना के लिए की जाती है। स्वाद और सेहत के लिहाज से फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की फलियां (बीन्स) सबसे महत्वपूर्ण होती है, और इसकी जायकेदार सब्जी प्राय: सभी लोग बेहद पसंद करते है। अधिक मांग होने की वजह से बाजार में इसकी बीन्स सबसे मंहगे दामों में बिकती है। इसलिए फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) को नकदी फसल के रूप में उगाया जाने लगा है। यह खाने में स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक होता है, और मुनाफे की दृष्टि से अन्य दलहनों से बेहतरीन फसल है।

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) के दानों में सामान्यत 23 प्रतिशत प्रोटीन, 60 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। इसके 100 ग्राम दानों में 260 मिली ग्राम कैल्शियम, 410 मिली ग्राम फॉस्फोरस, एवं 5.8 मिली ग्राम लौह तत्व पाये जाते हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होते है।

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती द्वारा भारत में उत्तर के मैदानी क्षेत्रो, हिमालयन रीजन के पहाड़ी क्षेत्रो और महाराष्ट्र से सबसे अधिक उत्पादन मिलता है। यदि कृषक इसकी खेती वैज्ञानिक तकनीक से करें, तो फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की फसल से इच्छित उपज प्राप्त की जा सकती है। इस लेख में फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की उन्नत खेती कैसे करें का विस्तृत उल्लेख है।

वी.एल 60- यह खरीफ एवं रबी दोनों मौसम के लिये उपयुक्त हैं।

इसके दानों का रंग भूरा एवं 100 दानों का वजन 36 ग्राम तक होता है। यह 110 से 115 दिन में पककर 15 से 20 क्विंटल/हेक्टेयर दाना उपज देती है।

अन्य किस्में- बी.एल 63, अम्बर, आई.आई.पी.आर 96-4, उत्कर्ष, आई.आई.पी.आर 98-5, एच.पी.आर 35, बी,एल 63, अरुण और हूर - 15 आदि है।

### बोवाई का समय

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती के उत्पादन पर बोवाई के समय का प्रभाव अन्य दलहनी फसलों की अपेक्षा अधिक पड़ता है। देश के उत्तरी पूर्वी भाग में फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की बोवाई का सबसे उपयुक्त समय अक्टूम्बर के अंतिम सप्ताह से लेकर नवम्बर के प्रथम सप्ताह तक होता है।

परन्तु देश के उत्तर पश्चिमी भाग जैसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में अधिकतम उपज सितम्बर के मध्य में बोने से प्राप्त होती है। जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में जून के अन्तिम सप्ताह से जुलाई के पहले सप्ताह तक बुवाई का उपयुक्त समय है। देर से बोवाई करने पर उपज में भारी कमी आ जाती है, क्योंकि ऐसी अवस्था में फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) के पौधों की वानस्पतिक वृद्धि घट जाती है। जिसमे फलियों की संख्या और दानों के भार में काफी कमी आ जाती है।

## ⏩ बीज की मात्रा

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) से अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने के लिए 2.5 से 3.5 लाख पौधे प्रति हैक्टेयर अवश्य होने चाहिए। यह पौध संख्या दानों के भार के अनुसार बीज दर से प्राप्त की जा सकती है।

झाड़ीदार किस्म - 80-90 कि.ग्रा. बीज/हेक्टेयर
बेलदार किस्म - 35-30 कि.ग्रा. बीज/हेक्टेयर

बीज शोधन

बीजोपचार फफूँदीनाशी रसायन कार्बेन्डाजिम (बाविस्टीन 50 डब्लूपी) 3 ग्राम प्रति किलो ग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करना आवश्यक है, या 2 से 3 ग्राम थीरम से प्रति किलोग्राम बीज की मात्र के हिसाब से बीज शोधन करना चाहिए।

## ⏩ बुवाई विधि

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती के लिए लाइन से लाइन की दूरी 30 से 45 सेंटीमीटर रखते है, और पौधे से पौधे की दूरी 10 सेंटीमीटर रखते है, इसकी बुवाई 8 से 10 सेंटीमीटर की गहराई पर करते है। लेकिन बेलदार किस्मों के लिए पंक्ति से पंक्ति 100 से.मी. की दूरी रखनी चाहिए तथा पौधों को सहारा देने का प्रबंध आवश्यक है। बीज अंकुरण के लिए पर्याप्त नमी का होना भी आवश्यक है।

## ⏩खाद एवं उर्वरक

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की अधिक उपज लेने के लिए खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करना आवश्यक है। गोबर की खाद या कम्पोस्ट 10 से 15 टन प्रति हेक्टेयर की दर से खेत की अंतिम जुताई के समय मिलाना चाहिए। इसके साथ साथ 120 किलोग्राम नत्रजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस एवं 30 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर तत्व के रूप में देना आवश्यक है।

नत्रजन की आधी मात्रा, फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय तथा बची आधी नत्रजन की आधी मात्रा खड़ी फसल में देनी चाहिए। इसके साथ ही 20 किलोग्राम गंधक की मात्रा देने से लाभ होता है। 20 प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव बुवाई के बाद 30 दिन तथा 50 दिन में करने पर उपज अच्छी मिलती है।

### उन्नत किस्में

झाड़ीदार किस्में - जाइंट स्ट्रींगलेस, कंटेंडर, पेसा पार्वती, अक्र कोमल, पंत अनुपमा तथा प्रीमियर, वी.एल. बोनी-1

बेलदार किस्में - केंटुकी वंडर, पूसा हिमलता व एक.वी0एन.-1

एच.यू.आर15- सफेद दानों वाली किस्म है। इसके 100 दानों का वजन 40 ग्राम तक है, तथा 120 से 125 दिनों में पककर तैयार होती है। इसकी उपज 18 से 22 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

पी.डी.आर 14 (उदय)- यह बड़े दानों वाली किस्म है, जिसके 100 दानों का वजन 44 ग्राम तक होता है, तथा इसके दानों का रंग सफेद-चित्तीदार होता है। यह किस्म 125 से 130 दिनों में पककर तैयार हो जाती है, तथा इसकी अधिकतम उत्पादन क्षमता 20 से 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हैं।

एच.यू.आर 15- सफेद दानों वाली किस्म है। इसके 100 दानों का वजन 40 ग्राम तक है, तथा 120 से 125 दिनों में पककर तैयार होती है। इसकी उपज 18 से 22 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

## ⏩ रोग एवं रोकथाम

एन्ट्रेक्नोज- फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) के प्रभावित पौधे के बीजपत्र पर पीले-भूरे चित्तेदार धब्बे दिखाई देते हैं। पत्तियों के ऊपरी, निचली एवं साथ ही साथ तनों पर भी गहरे रंग के धारीदार धब्बे दिखाई देते हैं।

### ⏩ रोकथाम-

1. बीजोपचार थायरम + कार्बेन्डाजिम (2:1) 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज ग्राम की दर से उपचार करें।
2. मेंकोजेब का छिड़काव 0.25 प्रतिशत (2.5 ग्राम प्रति लीटर) दर से अथवा कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत (1 ग्राम प्रति लीटर) का 2 से 3 बार पत्तों पर छिड़काव बुवाई के 40, 60 एवं 75 दिन के बाद करें।
3. संक्रमित पौधे को खेत से बाहर निकाले तथा फसल अवशेष को नष्ट करें।
4. 2 से 3 साल का फसलचक अपनायें।
5. फव्वारा पद्धति से सिंचाई न करें।
6. खेत में अधिक नमी होने पर आवाजाही न करें।

तना गलन- इसके प्रारम्भिक लक्षण फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की पत्तियों पर छोटे जलीय धब्बे के रूप में संक्रमण के 4 से 10 दिन में ही दिखाई देने लगते हैं। धब्बों का केन्द्र सूख कर भूरा तथा किनारे चमकीले पीले रंग के हो जाते रोकथाम-

1. कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत (1 ग्राम प्रति लीटर) की दर से 2 से 3 बार पत्तियों पर छिड़काव फूल आने के समय एवं उसके पहले करें।
2. जल्दी अथवा समय पर बुवाई करें।
3. अच्छी जल निकासी वाली भूमि में बुवाई करें।
4. घनी बुवाई ना करें।

कोणीय धब्बे- फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की पत्तियों पर कोणीय लाल भूरे रंग के धब्बे दिखाई देते हैं। धब्बे आपस में मिलकर नेकोसिस जैसी अवस्था बनाकर पत्तियों को गला देती है।

रोकथाम-

1. बीजोपचार फफूंदनाशक दवा कार्बेन्डाजिम से 2 से 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से करें।
2. कार्बेन्डाजिम का छिड़ाकाव (0.1 प्रतिशत) संक्रमण की शुरूआत में तथा बुवाई के 5 से 6 सप्ताह पश्चात पर्ण छिड़काव के रूप में करें।
3. कटाई पश्चात् गहरी जुताई कर फसल अवशेष नष्ट करें।

## ⏩ कीट एवं रोकथाम

पर्ण सुरंगक- फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की पत्तियाँ पीली हो कर झड़ जाती हैं। अधिक संक्रमित पौध बौने रह जाते हैं। यह कीट वनस्पतीय अवस्था में दिखाई देते हैं।

रोकथाम-

1. मिथाइल डेमेटॉन 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
2. संक्रमित पौधों को निकालकर खेत से दूर नष्ट करें।
3. संक्रमित पत्तियों को तोड़कर नष्ट करें।
4. नीम के पानी का छिड़काव भी पर्ण सुरंगक के लिए लाभप्रद है।

तना मक्खी- तनों का फूल जाना एवं दो हिस्सों में टूटना अथवा पाश्व जड़ों का न बनना, संक्रमित पौधे में आकस्मिक जड़ों का दिखाई देना। अंकुरित पौधों का सूख कर मर जाना।

रोकथाम-

1. क्लोरोपायरीफॉस 8 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम की दर से बीजोपचार करें।
2. फोरेट 10 जी 10 किलोग्राम मात्रा का बुवाई के समय उपयोग करें।
3. पलवार की मदद से मृदा में नमी बरकरार रखना जिससे आकस्मिक मेगट क्षति से बचा जा सके।

काला माहू- यह कीट पत्तियों के रस को चूसता है। अधिक संक्रमित पौधों की पत्तियाँ सूख कर मुड़ जाती हैं। फलियां बौनी एवं विकृत हो जाती हैं। पौधे सूख कर मर जाते हैं।

रोकथाम-

1. जैविक नियंत्रण काकसिनेला सेपटमपंक्टा 1000 वयस्क प्रति 400 वर्ग मीटर के हिसाब छोड़ें।
2. इमिडाक्लोरोप्रिड 1।.8 एस एल की 0.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करे।
3. सिस्टेमिक कीटनाशक जैसे डायमिथिएट या मिथाइल डेमेटान 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से छिड़काव करें।

हरी सब्जी की तुड़ाई फूल आने के 2-3 सप्ताह बाद आरंभ हो जाती है। तुड़ाई नियमित रुप से जब फलियाँ नर्म व कच्ची अवस्था में हो, तभी करें। 120 से 130 दिन में फसल पक कर तैयार हो जाती है। कटाई के बाद 3 से 4 दिन तक फसल को धूप में सुखाएं, जब तक बीज की नमी 9 से 10 प्रतिशत न हो जाए। उसके बाद दानों को भूसे से अलग कर लें।

## ⏩पैदावार

उपरोक्त वैज्ञानिक विधि से फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की खेती करने और फसल के अनुकूल परिस्थितियों में हरी फली उपज ।5-100 क्विंटल/हेक्टेयर की दर से प्राप्त होती है। यह प्रजाति के प्रकार पर भी निर्भर करती है। दाना के लिए 20 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर सिंचित खेती से मैदानी क्षेत्रों में तथा । से 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर बारानी में उपज प्राप्त होती है।

अधिक उत्पादन लेने हेतु आवश्यक बिंदू-

1. ग्रीष्म कालीन गहरी जुताई तीन वर्ष में एक बार अवश्य करें।
2. बुवाई पूर्व फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) का बीजोपचार अवश्य करें।
3. पोषक तत्वों की मात्रा मृदा परीक्षण के आधार पर ही दें।
4. पौध संरक्षण के लिये एकीकृत पौध संरक्षण के उपायों को अपनाना चाहिए।
5. खरपतवार नियंत्रण अवश्य करें।

### फ्रांसबीन की सब्जी

फ्रेंचबीन (फ्रांसबीन) की हरी पौध सब्जी के रूप में खायी जाती है तथा सुखा कर इसे राजमा, लोबिया इत्यादि के रूप में खाया जाता है। हरी बीन्स या सामान्य भाषा में फ्रेंच बीन्स में मुख्यत= पानी, प्रोटीन, कुछ मात्रा में वसा तथा कैल्सियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन, नियासीन, विटामिन सी आदि तरह के मिनरल और विटामिन मौजूद होते हैं। बीन्स विटामिन बी2 का मुख्य स्त्रोत होते हैं। बीन्स सोल्युबल फाईबर का अच्छा स्त्रोत होते हैं और इस कारण हृदय रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं। ऐसा माना जाता है कि एक कप पका हुआ बीन्स रोज़ खाने से रक्त में कोलेस्टेरोल की मात्रा 6 हफ्ते में 10 प्रतिशत कम हो सकती है और इससे हृदयाघात का खतरा भी 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है। बीन्स में सोडियम की मात्रा कम तथा पोटेशियम, कैल्सियम व मेग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है और लवणों का इस प्रकार का समन्वय सेहत के लिए लाभदायक है। इससे रक्तचाप नहीं बढ़ता तथा हृदयाघात का खतरा टल सकता है।

हैं।

# मिश्रित खेती

आजकल के युग में खेती योग्य भूमि पर जनसंख्या का बोझ दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में मिश्रित खेती अपना कर किसान प्रति इकाई भूमि से अधिक उत्पादन ले सकते हैं। हमारे देश में कृषिगत क्षेत्र का लगभग 65 प्रतिशत भाग वर्षा पर आधारित है।

प्राकृतिक आपदा जैसे अनावृष्टि के कारण-सूखा या अतिवृष्टि के कारण बाढ़ के फलस्वरूप बहुधा फसलें बिलकुल नष्ट हो जाती हैं। इस प्रकार की परिस्थिति में आर्थिक दृष्टिकोण से मिश्रित खेती सुरक्षा कवच का काम करती है।

जब एक बार में एक से अधिक फसल एक जगह पर उगाया जाती है तो उसे मिश्रित फ़सल कहते हैं। पूराने समय से ही मिश्रित फसलों की खेती हमारी कृषि प्रणाली का एक अभिन्न अंग रही है। हमारे पूर्वजों ने बहुफसलीय खेती की संकल्पना मौसम की विपरीत परिस्थितियों में फसल सुरक्षा के लिए की थी।

क्योंकि जब एक खेत में एक ही साथ दो-या-दो से अधिक फसलें उगाई जाती हैं तो यह संभावना होती है कि अगर कोई फसल मौसम की असामान्यता के कारण नष्ट हो जाए तब भी दूसरी या तीसरी फसल बच सकती है। ऐसे में उस विषम परिस्थिति में भी खेत से लाभ प्राप्त किया जा सकता है। सिन्धु घाटी की सभ्यता के एक प्रमुख स्थल कालीबंगा से मिले जुताई के कूड़ों से पता चला है कि उस समय भी कई फसलों को एक साथ मिला कर खेती की जाती थी। मोहनजोदड़ो में गेहूं, जौ तथा चना की खेती एक साथ मिला कर की जाती थी।

सभी फसलों की वृद्धि का क्रम, उनकी जड़ों की गहराई और उनके पोषक तत्वों की आवश्यकता अलग-अलग होती है।

ऐसे में दो ऐसी फसलें जैसे आलू + मक्का, हल्दी + अरहर, मूंगफली + अरहर, जिनमें एक उथली जड़ वाली और दूसरी गहरी जड़ वाली हों, तो दोनों मिट्टी की अलग-अलग सतहों से नमी एवं पोषक तत्वों का भरपूर अवशोषण तथा उपयोग करती हैं और इस प्रकार जल एवं पोषक तत्वों के उपयोग की क्षमता बढ़ने से उनकी उपज बढ़ जाती है।

वहीं कुछ फसलों की उपस्थिति उसकी सहयोगी फसल को कीड़ों के आक्रमण से बचाती है। जैसे मक्का की फसल में ज्वार, लाल मिर्च में सौंफ तथा चना की फसल में धनिया की मिश्रित खेती कुछ ऐसे ही उपयोगी उदाहरण हैं।

### सिंचित क्षेत्र के लिए मिश्रित फसल प्रणाली

रबी मक्का + आलू, आलू + बाकला, रबी मक्का + राजमा (मैदानी क्षेत्रों के लिए) रबी मक्का + धनिया (हरी पत्तियों के लिए), शरदकालीन गन्ना+ मिर्च, गन्ना + धनिया, गन्ना+मगरैला, गन्ना+ लहसुन, गन्ना+ आलू, गन्ना+गेहूं, गन्ना+अजवाइन, गन्ना+मसूर, बसन्त कालीन गन्ना+भिण्डी, गन्ना+मूंग ? गन्ना+उड़द, प्याज+अजवाइन, प्याज+भिण्डी, प्याज+मिर्च, सौंफ+मिर्च

असिंचित क्षेत्र के लिए मिश्रित फसल प्रणाली

बाजरा+ मूंग, बाजरा+अरहर, मक्का+उड़द, गेहूं+चना, जौ+चना, जौ + मटर, ज्वार+ अरहर और गेहूं+मटर

अनाज के फसलों का तिलहन फसलों के साथ मिश्रण

गेहूं+सरसों, जौ+ सरसों, गेहूं+अलसी, जौ+अलसी

दलहन फसलों का दलहन और तिलहन फसलों के साथ मिश्रण

अरहर+मूंग, अरहर+उड़द, अरहर+मूंगफली, चना+ अलसी, चना + सरसों, मटर+सरसों, मटर+ कुसुम

दो से अधिक फसलों का मिश्रण

ज्वार+अरहर+मूंग , बाजरा+अरहर+मूंग, ज्वार+अरहर+उड़द, जौ+मटर+ सरसों, चना+ सरसों+ अलसी, चना+अलसी+कुसुम और गेहूं+चना+सरसों

आइए यहां हम आपको कुछ फसलों के साथ मिश्रित फसल खेती की पूरी प्रक्रिया की जानकारी विस्तृत रुप से देते हैं।

सबसे पहले जून महीने के तीसरे-चौथे सप्ताह तक खेत में पड़ा कूड़ा-करकट साफ कर देते हैं। उसके बाद बारिश होने के बाद खेत की पहली जुताई ट्रैक्टर से कराते हैं। फिर दो से तीन जुताई हल से और ट्रैक्टर से करते हैं।

ऐसी फसल बोने को प्राथमिकता देते हैं, जिनमें पानी की आवश्यकता कम हो। साथ ही एक फसल चक्र पूरा होने के बाद दूसरे फसल चक्र में अलग फसलों की बुवाई करते हैं। प्रतिवर्ष फसल बदल-बदल कर बोते हैं, जिससे खेत को पर्याप्त पोषक तत्व व नमी मिलती रहे।

घर पर संरक्षित व सुरक्षित देशी बीजों का प्रयोग करते हैं।

बीज की मात्रा

एक एकड़ खेत में मिश्रित बुवाई करने के लिए अरहर 5 किलोग्राम, बाजरा 2 किलोग्राम, मूंग 2 किलोग्राम और तिल डेढ़ किलोग्राम को मिलाकर बुवाई करते हैं।

बुआई का समय और तरीका

अगस्त महीने के पहले हफ्ते में छिटकवा विधि से बुवाई करते हैं। इसके लिए खेत की आखिरी जुताई ट्रैक्टर से करने के पश्चात् 3 से 5 इंच की गहराई पर इसकी बुवाई ट्रैक्टर की सहायता से सीडड्रिल मशीन से ही कराते हैं।

एक एकड़ हेतु एक ट्राली देशी खाद की आवश्यकता होती है, जिसे पहली जुताई के समय खेत में मिला दिया जाता है। किसान चाहे तो जीवामृत का भी प्रयोग कर सकते हैं।

फसल की बढ़वार होती रहे, इसके लिए समय-समय पर खेत की निराई की जाती है। इससे एक तरफ तो हमारा खेत साफ रहता है और दूसरी तरफ जानवरों के लिए चारा भी उपलब्ध हो जाता है।

बाजरा, मूंग व तिल के पकने की अवधि 60-90 दिनों की होती है, जबकि अरहर 8-9 महीने की फसल ही है, जो मार्च में पक जाती है।

तिल की फसल की कटाई सितम्बर के अंतिम सप्ताह या फिर अक्टूबर के प्रथम सप्ताह तक हो जाती है। तिल की कटाई करके, एक जगह सुखा कर, डण्ठल को हिलाकर इसका बीज झाड़ लिया जाता है।

मूंग की एक-एक फली की तुड़ाई की जाती है। यह तुड़ाई सितम्बर के प्रथम सप्ताह से प्रारम्भ हो जाती है। इसकी कुटाई करके बीज निकाला जाता है।

बाजरा की कटाई अक्टूबर के अंतिम सप्ताह या नवम्बर के प्रथम सप्ताह तक हो जाती है। बाजरा की मड़ाई बैलों से करते हैं। इसके दाने निकालने के लिए थ्रेसर का प्रयोग भी किया जा सकता है।

मार्च में अरहर पकने के बाद इसकी कटाई कर लेते हैं। अरहर को काटकर सुखाते हैं। तब कुटाई करके इसका बीज निकालते हैं।

देशी बाजरा - 4 क्विंटल
देशी अरहर - 1 क्विंटल
देशी तिल- 50 किलोग्राम
देशी मूंग- 30 किलोग्राम

मिश्रित फसल उत्पादन से लाभ

इससे भूमि की बचत होती है।
खेत की लागत कम हो जाती है।
मैसेज फसलोत्पादन फसलों के असफलता के विरुद्ध एक प्रकार का बीमा है अथवा इंश्योरेंस।
भूमि से जल तथा पोषक तत्वों के अवशोषण में संतुलन बना रहता है।
प्रति इकाई खेत से अधिक उपज पैदा होती है।
मृदा का कटाव कम हो जाता है।